CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 306 ता. 11 जून 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कांग्रेस का 'खेला', तीन सीटों पर जमाया कब्जा, भाजपा को एक सीट पर मिली जीत

–राज्यसभा चुनाव के परिणाम हुए जारी
–कांग्रेस के मुकुल वासनिक, रणदीप सुरजेवाला और प्रमोद तिवारी हुए विजयी
–भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी को मिली जीत
–निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष चंद्रा को मिली हार

जयपुर

राजस्थान में राज्यसभा की चार सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस के तीनों प्रत्याशी विजयी हुए हैं। भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी ने भी जीत हासिल की है। हालांकि निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष चंद्रा को हार का सामना करना पड़ा है। उधर, केंद्रीय चुनाव आयोग के निर्देश के चलते तय समय से करीब घंटे बाद काउंटिंग शुरू हुई।

कांग्रेस ने मुकुल वासनिक, रणदीप सुरजेवाला और प्रमोद तिवारी को प्रत्याशी बनाया था। निर्दलीय, बीटीपी प्रत्याशियों के समर्थन के चलते कांग्रेस ने तीनों सीटों पर जीत हासिल की। वहीं भाजपा के घनश्याम तिवाड़ी ने भी जीत हासिल की। भाजपा के पास 30 अतिरिक्त वोट थे। इसके दम पर उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी सुभाष चंद्रा को समर्थन दिया था, लेकिन चंद्रा जीत नहीं पाए। रालोपा के तीनों विधायकों ने भी सुभाष चंद्रा को ही वोट दिया था। कांग्रेस का एक वोट रिजेक्ट हो गया।

शोभारानी ने दिया कांग्रेस उम्मीदवार को वोट

भाजपा की शोभारानी कुशवाह ने क्रॉस वोटिंग करते हुए कांग्रेस उम्मीदवार को वोट डाल दिया। इसकी पुष्टि खुद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने की है। भाजपा विधायक कैलाश मीणा के वोट को लेकर उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा में गर्मागर्मी नजर आई। उधर सिद्धीकुमारी ने गलत प्रत्याशी को वोट देने के मामले में वीडियो जारी कर कहा पार्टी ने जो आदेश दिया था, उसके अनुसार ही मैंने वोट किया है।

क्रॉस वोटिंग में आश्चर्य वाली क्या बात है

चुनाव परिणाम आने से पहले ही भाजपा समर्थित निर्दलीय प्रत्याशी डॉ सुभाष चंद्रा मतदान स्थल से चले गए। उन्होंने भाजपा विधायक शोभारानी कुशवाहा के क्रॉस वोटिंग से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि जब मैं दूसरे से अपेक्षा कर सकता हूं कि वो मुझे वोट दें, तो फिर भाजपा ने भी कर दिया होगा तो इसमें नई और आश्चर्य वाली क्या बात है। चंद्रा ने भाजपा और आरएलपी के साथ उनका समर्थन करने वाले विधायकों का आभार जताया। चंद्रा ने कहा कि मैं इन चुनाव में जीतूं या ना नहीं, लेकिन राजस्थान के साथ मेरा एक रिश्ता बन गया है और राजस्थान से जुड़े जो भी काम होंगे, उन्हें करवाने का मैं पूरा प्रयास करूंगा।

देर से शुरू हुई मतगणना

हरियाणा मे मतगणना पर आपत्ति के चलते केंद्रीय चुनाव आयोग ने जिन राज्यों में राज्यसभा चुनाव थे वहां मतगणना को रोक दिया। जिसके चलते करीब दो घंटे देरी से मतगणना शुरू हुई। विधायक मतगणना का इंतजार करते नजर आए।

हाथ जोड़कर SIT के पास अकेले गए थे मोदी, राहुल श्रष्ठ के सामने शक्ति प्रदर्शन को तैयार

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड अखबार से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को 13 जून को हाजिर होने के लिए कहा है। वहीं, कांग्रेस ने इस मौके पर शक्ति प्रदर्शन करने का फैसला किया है। अब खबर है कि भारतीय जनता पार्टी ने इसकी तुलना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़े साल 2010 के उस किस्से से की है, जब वह स्द्धञ्ज के पास पहुंचे थे। कांग्रेस ने श्रष्ठ कार्यालय तक मार्च और पूरे देश में सत्याग्रह करने की तैयारी कर रही है। न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, भाजपा पदाधिकारियों ने कांग्रेस के इस प्रदर्शन की तुलना 28 मार्च 2010 को नरेंद्र मोदी की SIT पूछताछ से की है। तब मोदी गुजरात के सीएम थे और गुजरात दंगों की जांच कर रही सुप्रीम कोर्ट की तरफ से गठित SIT ने उन्हें पेश होने के लिए कहा था। रिपोर्ट के अनुसार, मोदी बगैर किसी सियासी शक्ति प्रदर्शन के SIT कार्यालय पहुंचे और लगभग पूरे दिन दो सत्रों के दौरान सवालों के जवाब दिए। सूत्रों के अनुसार, मोदी ने गंभीरता से बगैर कोई राजनीति किए टीम का सहयोग किया था। न्यूज से बातचीत में भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, नरेंद्र मोदी ने तब कहा था कि भारतीय संविधान और कानून सर्वोच्च है और कोई उससे ऊपर नहीं। उन्होंने कहा था कि नागरिक और मुख्यमंत्री के तौर पर वह कानून का सम्मान करते हैं और बर्ताव ने उन लोगों को जवाब दिया, जो उनके बारे में बेबुनियाद बातें कर रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, कांग्रेस यह मान रही है कि यह सियासी खेल है और भाजपा की तरफ से उन लोगों के खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग है, जो मोदी का विरोध करते हैं। भाजपा नेताओं का कहना है कि जब मोदी स्द्धञ्ज के सामने पेश हुए, तो उनके खिलाफ एक भी स्नद्धक्र नहीं थी। जबकि, राहुल गाधी नेशनल हेराल्ड मामले में जमानत पर हैं।

विशेषज्ञों ने देश में कोरोना की चौथी लहर से किया इन्कार, कहा-

कोविड -19 का नया वैरिएंट मिलने पर ही स्थिति हो सकती हैं चिंताजनक

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 संक्रमण के मामलों में एक बार फिर बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। पिछले 24 घंटों में सात हजार से अधिक नए मामले दर्ज किए गए है। हलांकि विशेषज्ञों का मानना है कि भारत में चौथी लहर की आशंकाएं बहुत कम हैं। जब तक कि देश में कोरोना का कोई नया वैरिएंट सामने नहीं आता है। शुक्रवार को एएनआई के साथ बातचीत में, मैक्स हेल्थकेयर के निदेशक, डा. रोमेल टिक्कू ने कहा कि, भारत में चौथी लहर की आशंका नहीं है। जब तक कि देश में कोविड-19 वैरिएंट का कोई नया संस्करण रिपोर्ट नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि लोग विभिन्न स्थानों की यात्रा कर रहे हैं जिसके कारण मामले बढ़ रहे हैं। पर्यटन गतिविधियों में वृद्धि के कारण कोविड-19 मामलों की आशंका बढ़ रही है। डा. रोमेल टिक्कू के मुताबिक भारत स्थानिकता की ओर बढ़ रहा है। जिसके चलते कोई बड़ा उछाल आने की आशंका नहीं है। हालांकि, उन्होंने कोविड-19 संक्रमण को लेकर सावधानी बरतने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जब तक जब तक कोरोना के मामले नियंत्रित तादाद में आ रहे हैं, तब तक चिंता की कोई बात नहीं है। इस बीच डा. टिक्कू ने सचेत करते हुए कहा कि कोविज वायरल बीमारी है और वो हमारे बीच कुछ और वक्त तक रहेगी। हमें बेहद सावधान रहने की जरूरत है, साथ ही सरकार के दिशानिर्देशों के अनुरूप कोविड-19 उचित व्यवहार का पालन करने की भी जरूरत है। देश में गुरुवार को 7,240 ताजा कोरोनावायरस मामले दर्ज किए गए। जो कि एक दिन पहले की तुलना में करीब 40 फीसदी अधिक हैं। महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों में संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। दो मार्च के बाद से दैनिक मामलों की संख्या में यह सबसे अधिक उछाल है। बुधवार को, भारत में दैनिक कोविड मामलों में लगभग 41 फीसदी की वृद्धि देखी गई।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने किया बड़ा खुलासा

गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने ही सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को भेजा था धमकी भरा पत्र

मुंबई। बालीवुड अभिनेता सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को धमकी देने वाले एक पत्र के मामले में मुंबई पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। इस मामले की जांच कर रही मुंबई क्राइम ब्रांच की एक टीम ने गुरुवार देर रात बताया कि जेल में बंद गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई ने सलमान खान और उनके पिता सलीम खान को धमकी भरा पत्र जारी किया था। इस मामले में पुलिस ने ज्यादा जानकारी देते हुए बताया कि उसके गिरोह के तीन लोग जालोर (राजस्थान) से मुबंई पत्र देने पहुंचे थे। लारेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य सिद्धेश हीरामन कांबले उर्फ महाकाल से पूछताछ में यह जानकारी मिली है।

पुलिस के मुताबिक, गिरोह ने आरोपी और बिश्नोई के गुर्गे सौरभ महाकाल से मुलाकात की थी। मुंबई पुलिस के मुताबिक, आरोपी सौरभ महाकाल ने खुलासा किया कि बिश्नोई का सहयोगी विक्रम बराड़ ने ही सलीम खान तक पत्र पहुंचाया था।

सलमान खान के पिता और प्रसिद्ध पटकथा लेखक सलीम खान रविवार को सुबह की सैर के बाद बांद्रा बैंडस्टैंड में एक बेंच पर बैठे थे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति ने वहां पर एक पत्र रखा, जिसमें उन्हें और उनके अभिनेता बेटे सलमान को मारने की धमकी का उल्लेख किया गया था। बाद में अपने सुरक्षा कर्मियों की मदद से सलीम खान ने पुलिस से संपर्क किया और बांद्रा पुलिस स्टेशन में आइपीसी की धारा 506-II (आपराधिक धमकी) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। बाद में मुंबई पुलिस ने इस मामले में सलीम खान और सलमान खान के बयान दर्ज किए। मुंबई पुलिस ने इस मामले में अभिनेता सलमान के बयान भी दर्ज करवाए। रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान ने बताया है कि वो गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और लारेंस बिश्नोई से उनका कोई संबंध नहीं है। गौरतलब है कि सलमान खान ने कहा, %मैं साल 2018 से लारेंस बिश्नोई को जानता हूं, क्योंकि तब उसने मुझे धमकी दी थी। हालांकि सलमान ने गोल्डी बराड़ के बारे में कहा कि वह उसे नहीं जानते हैं।

ब्रिज से फोटो क्लिक करते हुए नदी में गिरा पटना का पर्यटक लापता

ड्राइवर का शव बरामद

नई दिल्ली। सेल्फी लेना आजकल जानलेवा साबित होता जा रहा है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं जब लोग सेल्फी लेने के चक्कर में अपनी जान गवां देते हैं। ऐसा ही एक मामला उत्तरी सिक्किम में हुआ जहां भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने एक स्थानीय ड्राइवर का शव बरामद किया है, जो तस्वीरें क्लिक करते हुए रीत चू ब्रिज से नदी के तल पर गिर गया था। आईटीबीपी टीम की 11वीं बटालियन ने गुरुवार को शव बरामद किया। चालक के साथ एक पर्यटक भी नदी में गिर गया था।

पटना से पूरा परिवार छुट्टी मनाने आया था

ITBP ने बताया कि ड्राइवर और एक पर्यटक गलती से नागा गांव के पास रीत चू पुल से उस समय गिर गए, जब वे पुल के किनारे पर तस्वीरें खींच रहे थे और संतुलन खो बैठे और नदी के तल पर गिर गए। अर्धसैनिक बल ने कहा कि पर्यटक अभी लापता है और उसकी तलाश जारी है। बता दें कि पर्यटक बिहार के पटना से आया था और उसके साथ उसकी पत्नी, बेटा और बेटी थी जो छुट्टी पर आए थे।

लॉरेंस विश्नोई का खुलासा- 8 महीने से थी साजिश, शाहरुख नाकाम तो 'महाकाल' को काम

नई दिल्ली। सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड की साजिश करीब आठ महीने पहले से रची गई जा रही थी। नवंबर से ही मूसेवाला को मारने का प्लान बनाया जा रहा था। यह खुलासा लॉरेंस ने पूछताछ के दौरान किया। उसने बताया कि बीते करीब सात से आठ महीने से वह अपने गुर्गों के जरिए मूसेवाला को लेकर लगातार प्लान बना रहा है। कभी उसकी सुरक्षा को लेकर साजिश पूरी नहीं हो पाती तो कभी गुर्गे की तैयारी ही अधूरी रह जाती।

हालांकि लॉरेंस विश्नोई का शाहरुख नाम का एक गैंगस्टर गुर्गा उसे मारने के लिए गया भी था, लेकिन सुरक्षाकर्मियों की मौजूदगी देखकर वह वारदात को अंजाम नहीं दे पाया था, और मूसेवाला को मारने का प्लान ठंडा पड़ गया था। उधर दिल्ली पुलिस ने शाहरुख को गिरफ्तार भी कर लिया तो पूछताछ में इस सनसनीखेज प्लान का खुलासा हुआ। उसने पूछताछ में कुल 8 संदिग्ध नामों का खुलासा किया। जिनपर उसने हत्यारों की मदद करने का

शक जताया। इसमें पंजाबी सिंगर से जुड़ा एक शख्स भी शामिल है।

हालांकि इसके बाद हत्या की दोबारा साजिश को लेकर जो खिचड़ी पकी, उसके बारे में एजेंसियों को कोई भनक नहीं लगी और लॉरेंस विश्नोई ने जेल में बैठकर महाकाल नेटवर्क के गुर्गे को इस काम के लिए तैयार कर लिया और वारदात को अंजाम दे दिया गया। विश्नोई से पूछताछ में महाकाल नेटवर्क की एंट्री का पता चला और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल उसकी तलाश में जुट गई, लेकिन पुणे पुलिस ने उसे दबोच लिया। हालांकि यह मुख्य शूटर नहीं है, लेकिन मुख्य शूटर का करीबी साथी है। इसलिए पुलिस अब उससे पूछताछ कर मुख्य शूटर समेत जिन पांच लोगों की पहचान की है, उनकी तलाश में छापेमारी कर रही है।

वहीं मामले की जांच मे जुटी दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मूसेवाला हत्याकांड के साजिशकर्ताओं तक पहुंचने के लिए तिहाड़ जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस विश्नोई समेत उसके नेटवर्क से जुड़े अबतक करीब 15 लोगों से पूछताछ कर चुकी है। वहीं मुख्य शूटर समेत फरार आरोपियों की तलाश में एनसीआर, पंजाब, राजस्थान और मुंबई में छापेमारी कर रही है।

महाराष्ट्र को दो दिन में मिलेगा मॉनसून का तोहफा

नई दिल्ली। महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु समेत कई क्षेत्रों को जल्दी मानसून का तोहफा मिल सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि अगले 48 घंटों के दौरान मानसून के आगे बढ़ने के लिए स्थितियां अनुकूल बनी हुई हैं। खबर है कि मानसून जून के अंत तक राजधानी दिल्ली में दस्तक दे सकता है। हालांकि, उत्तर पश्चिम, मध्य और इससे सटे पूर्वी भारत को फिलहाल गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि मानसून सामान्य गति से आगे बढ़ रहा है और अगले दो दिनों में इसके महाराष्ट्र पहुंचने की संभावना है। दिल्ली-एनसीआर में 27 जून तक दस्तक देने के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, जून के अंतिम सप्ताह में ही मानसून की बूंदें राजधानी को सराबोर करेंगी। दस दिन पहले मानसून की तेज गति को देखकर अनुमान लगाया जा रहा था कि अगर यही रफ्तार बनी रही, तो दिल्ली में भी मानसून अपने तय समय से पहले आ सकता है। लेकिन, अब मानसून की गति सामान्य हो गई है।

मौसम विज्ञानियों ने बताया कि अगले दो दिनों में मानसून गोवा और महाराष्ट्र, कर्नाटक आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में छा जाएगा। मानसून के आगे बढ़ने की स्थिति अनुकूल और सामान्य है। दिल्ली में मानसून पहुंचने की आधिकारिक तिथि 27 जून है, इसलिए मानसून की सामान्य गति को देखते हुए यह माना जा रहा है कि इसी के आसपास

मानसून का आगमन होगा।

IMD की तरफ से गुरुवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मध्य अरब सागर, गोवा, दक्षिण महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और बंगाल की खाड़ी के पश्चिम मध्य और उत्तर पश्चिम में मानसून के लिए स्थितियां अनुकूल हैं। वहीं, इसके बाददो दिनों में महाराष्ट्र, पूरे कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के कुछ और हिस्सों में मानसून की गति बने रहने के आसार हैं। शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश और असम और मेघालय, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम और नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी से अति भारी बारिश के आसार हैं। वही, बिहार, झारखंड, ओडिशा और गंगीय पश्चिम बंगाल में छिटपुट बारिश हो सकती है।

विभाग के मुताबिक, अगले पांच दिनों के दौरान कर्नाटक, केरल और माहे और लक्षद्वीप में हल्की या मध्यम बारिश और आंध्र प्रदेश और यानम और तमिलनाडु, पुडुचेरी और करईकल और तेलंगाना में छिटपुट बारिश की संभावनाएं हैं। इसके अलावा कोंकण और गोवा और मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में भी वर्षा हो सकती है।

गर्मी के बारे में भी जान लें

IMD के मुताबिक, मध्य भारत में फिलहाल अधिकतम तापमान के कम होने की संभावनाएं नहीं हैं। हालांकि, इसके बाद पारा 2-3 डिग्री सेल्सियस लुढ़क सकता है। पंजाब, हरियाणा-दिल्ली, दक्षिण उत्तर प्रदेश, उत्तर पश्चिम राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश, आंतरिक ओडिशा और झारखंड में लू की संभावनाएं हैं।

CMYK

लोगों की मदद के लिए नुकसान भी मंजूर गैस खरीदकर कम दाम में बेचता है यह सिख व्यक्ति

नई दिल्ली । रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध के कारण गैस की कीमतें काफी बढ़ गई हैं। कहते हैं कि महामारी, बाढ़, युद्ध या कोई भी समस्या हो... जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए सिख समुदाय कभी पीछे नहीं रहा। और एक बार फिर ऐसे ही सिख व्यक्ति ने मदद का हाथ आगे बढ़ाया है। हम बात कर रहे हैं अमेरिका के ओस्बोर्न रोड स्थित फीनिक्स गैस स्टेशन के मालिक की, जो लोगों की मदद के लिए कम दाम पर गैस बेच रहे हैं। जसवेंद्रे सिंह नाम के व्यक्ति का कहना है कि वह जितना भुगतान करते हैं, उससे 10 सेंट सस्ते में गैस बेच रहे हैं। उन्होंने बताया, 'अब पैसा बनाने का समय नहीं है। हमारे पास पैसा कमाने के बहुत सारे अवसर हैं। यह लोगों की मदद करने का समय है। यही हमारा लक्ष्य है। सिंह ने 2007 में यह स्टोर खरीदा था। उन्होंने कहा, 'वह समुदाय की मदद करना चाहते हैं। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने कीमतें कम की हैं। 2008 में मंदी के दौरान भी उन्होंने गैस की कीमतों में भी कटौती की थी। अभी हर कोई मुश्किल दौर से गुजर रहा है। मैं लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहा हूं।卐 गैस को कम कीमतों पर बेचने पर सिंह को प्रतिदिन करीब 150 डॉलर का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह इस हानि को कब तक सहन कर पाएंगे, लेकिन वह लंबे समय तक लोगों की मदद करने की कोशिश करेंगे। सिंह ने कहा कि समुदाय हमेशा एक-दूसरे की मदद करते रहे हैं।

कोलकाता में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर फायरिंग, 2 की मौत, जांच में जुटी पुलिस

कोलकाता। बड़ी खबर पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता से आ रही है। कोलकाता में मौजूद बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर एक पुलिस वाले ने फायरिंग कर दी है। उसकी बंदूक से निकली गोली की वजह से एक महिला की मौत हो गई। जबकि कुछ लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। इसके बाद पुलिस वाले ने खुद को भी गोली मार ली है। पूरा मामला क्या है, इसको लेकर फिलहाल पुलिस जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि जिस महिला की मौत हुई है, वह बाइक पर सवार थी। हमला करने वाला पुलिस वाला करीब 1 घंटे तक उसी जगह पर घूम रहा था। बंगाल पुलिस इस मामले को लेकर जांच में जुट गई है। अलग-अलग एंगल से मामले की तलाश की जा रही है। आखिर एक पुलिस वाले ने इस घटना को अंजाम कैसे दिया, यह सबसे बड़ा सवाल है।

महाराष्ट्र : जिला परिषद स्कूलों में शिक्षकों के स्थानांतरण के लिए ऑनलाइन प्रणाली शुरू

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने जिला परिषद के स्कूलों के शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए एक ऑनलाइन प्रणाली की शुरुआत की है। राज्य सरकार में मंत्री हसन मुश्रीफ ने यह जानकारी दी। इससे पहले इन शिक्षकों का स्थानांतरण व्यक्ति द्वारा कागजी प्रकिया से किया जाता था और कुछ शिक्षकों पर अपने फायदे के लिए इस प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगता था। पुरानी व्यवस्था में राजनीतिक हस्तक्षेप का भी आरोप लगाया जाता था। ग्रामीण विकास मंत्री मुश्रीफ ने बृहस्पतिवार को राज्य सचिवालय 'मंत्रालय' में एक ऑनलाइन प्रणाली की शुरुआत की। इस नई ऑनलाइन प्रणाली में राज्य के लगभग दो लाख जिला परिषद शिक्षकों का ब्यौरा मौजूद होगा। मुश्रीफ ने कहा, 'इस प्रणाली से शिक्षकों के स्थानांतरण में अधिकतम पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सकती है। स्थानांतरण इस तरह किया जाएगा ताकि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षक मिल सकें।' ग्रामीण विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश कुमार ने कहा, 'राज्य के डेटाबेस में एक बार किसी शिक्षक द्वारा अपनी जानकारी डालने के बाद उसे अन्य शिक्षक भी देख सकेंगे। इससे स्थानांतरण की प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए गलत जानकारी भरने वाले शिक्षकों को रोका जा सकेगा।' उन्होंने कहा कि स्थानांतरण के लिए योग्य हर शिक्षक को अपनी प्राथमिकता के 30 स्कूलों के नाम की सूची देनी होगी।

असदुद्दीन ओवैसी पर एफआईआर के बाद एआईएमआईएम को एक और झटका

नई दिल्ली। भड़काऊ बयानबाजी को लेकर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के बाद पार्टी को एक और झटका लगा है। गुरुवार को नई दिल्ली के पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी के बाद हिरासत में लिए गए 30 कार्यकर्ताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आईपीसी 186/188/ 353/332/ 147/149/34 की धाराओं में गिरफ्तार किया है। आईपीसी की ये धाराएं सरकारी काम में बाधा डालने, भीड़ में शामिल होकर उपद्रव या हिंसा करने और आपराधिक कृत्य के लिए एकत्रित होने से संबंधित हैं। नुपुर शर्मा की ओर से पैगंबर मोहम्मद साहब को लेकर दिए गए विवादित बयान के विरोध में ये कार्यकर्ता थाने के बाहर एकत्रित होकर नारेबाजी और हंगामा कर रहे थे। इसी दौरान ओवैसी के खिलाफ एफआईआर की बात भी सामने आई थी। पुलिस ने सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया था। महिलाओं समेत कुल 33 प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया और सरकारी अधिकारी द्वारा लागू आदेश की अवज्ञा करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस उपायुक्त (नयी दिल्ली) अमृत गुगुलोथ ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत 30 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'उन लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, जिन्होंने सार्वजनिक शांति भंग करने वाले और विभाजनकारी विचारों के जरिये लोगों को भड़काने वाले संदेश और पोस्ट साझा किए।' अधिकारी ने बताया कि एक मामला शर्मा के खिलाफ तथा दूसरा ओवैसी, जिंदल, नरसिंहानंद, शादाब चौहान, सबा नकवी, मौलाना मुफ्ती नदीम, अब्दुर रहमान और गुलजार अंसारी समेत कई सोशल मीडिया संस्थाओं के खिलाफ दर्ज किया गया है।

किसान नेता राकेश टिकैत ने जेवर एयरपोर्ट की वजह से प्रभावित किसानों के लिए मांगा चार गुना मुआवजा

नोएडा । भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) ने प्रस्तावित जेवर हवाई अड्डे से प्रभावित किसानों को गुरूवार को नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत चार गुना मुआवजा देने की मांग की। भाकियू (अराजनैतिक) ने जेवर के झाझर रोड स्थित साबौता अंडरपास के नीचे महापंचायत की। महापंचायत को संबोधित करते हुए राकेश टिकैत ने कहा कि हवाई अड्डे में किसानों के साथ अन्याय किया जा रहा है, उन्हें नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत चार गुना मुआवजा दिया जाना चाहिए। राकेश टिकैत ने कहा कि पिछले कई दिन से शोर मचाया जा रहा था कि हवाई अड्डे का निर्माण कार्य को रोका जाएगा लेकिन वह उसका निर्माण कार्य नहीं रोकने आए है बल्कि किसानों के बंद रास्तों को खुलवाने के लिए आए हैं।उनका कहना था कि प्रशासनिक अधिकारी बातचीत कर किसानों की समस्या का समाधान करें, जिसके लिए वह तैयार है अन्यथा आंदोलन होगा। उससे पहले राकेश टिकैत के स्वागत में की गई आतिशबाजी से इंटरचेंज के पास सड़क किनारे झाड़ियों में आग लग गई। देखते ही देखते आग तेजी से बढ़ने लगी। हालांकि, वहां पर तैनात दमकलकर्मियों ने आग पर तुरंत काबू पा लिया। इसके बाद अंडरपास से आगे भी आतिशबाजी के कारण आग लग गई। उसको भी दमकलकर्मियों ने बुझा दिया।

मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने बढ़ाई सख्ती, बिना हेलमेट दुपहिया चलाने वाले 6200 लोगों पर लगाया जुर्माना

मुंबई। मुंबई यातायात पुलिस ने बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने और पीछे बैठने पर 6,200 से अधिक लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। एक अधिकारी ने बताया कि यह कार्रवाई गुरुवार को की गई। यातायात पुलिस के एक अधिकारी के अनुसार, केवल दक्षिण मुंबई में ही 3,100 से अधिक लोगों के खिलाफ बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चलाने या पीछे बैठने पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया गुरुवार से, शहर की यातायात पुलिस ने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान शुरू कर दिया है। दोपहिया वाहन चलाते समय या उस पर पीछे बैठते समय हेलमेट पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। पहले कार्रवाई सिर्फ वाहन चलाने वालों के खिलाफ होती थी, लेकिन अब वाहन पर बिना हेलमेट पहने पीछे बैठने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि अभियान के पहले दिन 2,344 दोपहिया वाहन चालकों, पीछे बैठे 3,421 लोगों और अन्य 516 लोगों के खिलाफ हेलमेट नहीं पहनने को लेकर कार्रवाई की गई। अधिकारी ने बताया कि बुधवार को यातायात पुलिस ने बिना वजह हॉर्न बजाने वाले 2,500 वाहन चालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की थी।

धर्मशाला पहुंचने पर राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत

धर्मशाला । भारत के राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद आज हिमाचल प्रदेश के अपने दो दिवसीय प्रवास पर धर्मशाला पहुंचे। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) ग्राउंड धर्मशाला में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर, मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर, विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सरवीन चौधरी, सांसद किशन कपूर, विधायक विशाल नेहरिया, धर्मशाला नगर निगम के महापौर ओंकार नेहरिया ने मुख्य सचिव राम सुभग सिंह, पुलिस महानिदेशक संजय कुंडू, प्रधान सचिव सामान्य प्रशासन भरत खेड़ा, उपायुक्त कांगड़ा डॉ. निपुण जिंदल और पुलिस अधीक्षक कांगड़ा डॉ. खुशाल शर्मा ने उनका स्वागत किया।

पहले दवा बनने में दशकों लगता थे, लेकिन मोदी सरकार ने साल भर में टीका बना लिया : नड्डा

गोरखपुर (उर प्रदेश)। (एजेंसी)।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि पहले देश में कोई बीमारी होती थी तो दवा विकसित होने में दशकों लग जाते थे, लेकिन मोदी सरकार में कोरोना महामारी का टीका एक साल के भीतर उपलब्ध करा दिया। परिवारवाद और भाई-भतीजावाद को लेकर भी पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए नड्डा ने कहा, ''पहले राजनीति जातिवाद और भ्रष्टाचार का पर्याय थी लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे विकास का पर्याय बना दिया है। उन्होंने राजनीति की संस्कृति बदल डाली और विकासवाद की राजनीति खड़ी की है।''

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को सात जिलों में भाजपा के नये कार्यालय भवनों का उद्घाटन हुआ। पार्टी अध्यक्ष नड्डा ने गोरखपुर से इन कार्यालयों का उद्घाटन किया। इस समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी उपस्थित थे। नड्डा ने अपने संबोधन में कहा, ''पुरानी सरकारों के दौर में चिकन पॉक्स की दवा आने में 27 साल लग गये थे जबकि बीसीजी के टीके को 27 साल लगे और पोलियो की खुराक को 30 साल लगे। टेटनेस की दवा को भारत में आने में 38 साल और मीजल की दवा को 22 साल लग गये। जापानी इन्सेफेलाइटिस की दवा जापान में 1906 में बन गयी थी, लेकिन उसे भारत में आने में 100 साल लगे और वह योगी आदित्यनाथ नीत सरकार में 2006 में आयी।'' भाजपा अध्यक्ष ने कहा, ''वहीं, दूसरी ओर देखें कि जिम्मेदार सरकार कैसी होती है? देश में जनवरी 2020 में कोरोना का पहला मामला आया, मोदी जी ने कार्यबल का गठन किया और अक्टूबर 2020 में टीके का परीक्षण शुरू हो गया।

मोदी जी ने स्वयं फैक्टरी में जाकर निरीक्षण किया और 2021 जनवरी में देश को एक नहीं दो टीके मिले।'' उन्होंने कहा कि 130 करोड़ की आबादी वाले देश में लोगों को टीके की 200 करोड़ खुराक का इंजेक्शन लग चुका है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव का नाम लिए बगैर उनपर निशाना साधते हुए नडडा ने कहा, ''यहां एक गैर जिम्मेदार नेता की बात याद दिलाना चाहूंगा। जब परीक्षण के बाद टीका लगना शुरू होना था, तो यही अखिलेश था जिसने कहा था कि यह तो मोदी जी का है, यह भाजपा का टीका है। चुपके-चुपके खुद लगवा लिया और आपको लगाने से रोकता रहा। यह है इनकी सरकारों का हाल।'' उन्होंने दावा किया, ''प्रधानमंत्री ने राजनीति की संस्कृति बदल डाली। एक समय था जब राजनीति परिवारवाद, वंशवाद, जातिवाद, भाई भतीजावाद, भ्रष्टाचार, अनाचार के रूप में होती थी। यह राजनीति के पर्यायवाची बन गये थे। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी परिवारवाद, वंशवाद, संप्रदायवाद, जातिवाद और भ्रष्टाचार तथा अनाचार को नकार कर विकासवाद की राजनीति शुरू की है, हमें इसे समझना चाहिए।''

नड्डा ने कहा, ''मैं गर्व के साथ कह सकता हूं जब विकासवाद की बात आती है तो विकास सिर्फ भवनों का नहीं बल्कि देश की जनता का भी होना चाहिए। इसीलिए हमारा मंत्र है 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। हमारी सरकार इसी मंत्र को लेकर चलती है।'' केन्द्र की मोदी नीत सरकार को जिम्मेदार और जवाबदेह बताते हुए नड्डा ने कहा कि देश मोदी के नेतृत्व में और उत्तर प्रदेश योगी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा है। इससे पहले भाजपा के क्षेत्रीय कार्यालय का उद्घाटन करते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने देश में 512 भाजपा कार्यालयों के निर्माण की योजना बनायी थी जिनमें से 230 बनकर तैयार हो चुके हैं और 150 का निर्माण चल रहा है।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में पार्टी के 72 कार्यालय खुलने थे जिनमें से 69 खुल चुके हैं। नड्डा का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लोगों का एक बड़ा तबका नरेंद्र मोदी नीत केन्द्र सरकार की योजनाओं से लाभान्वित हुआ है। योगी ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए इन्सेफेलाइटिस के खिलाफ उत्तर प्रदेश सरकार के अभियान के समर्थन के लिए भी नड्डा की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि पिछले कुछ वर्षों में राज्य में इन्सेफेलाइटिस के मामलों में 95 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई है।

मा0 उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक सम्पन्न

संवाददाता लक्ष्मी कांत पाण्डेय

। मा0 उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक की अध्यक्षता में शुक्रवार को सर्किट हाउस के सभागार में विकास कार्यों के सम्बंध में समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मा0 उप मुख्यमंत्री जी ने जनपद में चल रहे विकास कार्यों से सम्बंधित योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने बिजली विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए जनपद में बिजली कटौती से सम्बंधित शिकायतों के बारे में अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लोकट फाल्ट से सम्बंधित समस्याओं का तत्काल हर-हाल में समय से निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में खराब होने वाले ट्रांसफार्मर को बदलने की जो समय सीमा निर्धारित है, उसी के अंदर ही ट्रांसफार्मर को अनिवार्य रूप से बदल दिया जाये। कहा कि ट्रांसफार्मर बदलने में यदि देरी की शिकायत प्राप्त होती है, तो सम्बंधित के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी। बैठक में मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गलत बिजली बिल से सम्बंधित जो शिकायतें है, उनका निस्तारण सुनिश्चित करते हुए यह ध्यान रखा जाये कि आगे से गलत बिल से सम्बंधित शिकायत न आने पाये। विद्युत विभाग के सभी अधिकारीगणों को मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बिजली के सम्बंध में जो भी शिकायतें प्राप्त हो, उनकों गम्भीरता से लेते हुए उसका तत्काल निस्तारण किया जाये। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि विद्युत आपूर्ति जितने घंण्टे के लिए निर्धारित की गयी है, उतने घण्टे विद्युत की आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। उन्होंने सभी अवर अभियंताओं को आम नागरिकों से शालीनता पूर्वक व्यवहार किए जाने के लिए कहा। उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाते हुए विद्युत से सम्बंधित समस्याओं को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित किए जाने के लिए कहा है।

पेयजल के सम्बंध में जल निगम एवं जल संस्थान के कार्यों की समीक्षा करते हुए मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने जीएम जलकल से शहर में पानी सप्लाई के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि शहर में पानी के सप्लाई से सम्बंधित लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही है। उन्होंने जीएम जलकल को सभी को शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा है और सचेत किया कि गंदे पानी व लीकेज से सम्बंधित किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं आनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा है कि यदि गंदे पानी की सप्लाई के बारे में शिकायत पायी गयी, तो सम्बंधित के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जायेगी। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की स्थिति के बारे में जानकारी ली, जिसपर जल निगम के द्वारा बताया गया कि ग्रामीण

क्षेत्रों में कुल 249 टंकियां है। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने टंकियों के संचालन की स्थिति के बारे में जानकारी लेते हुए कहा कि पूरी क्षमता के साथ नलकूपों का संचालन सुनिश्चित किया जाये, यदि कुछ नलकूप विद्युत या यांत्रिक कमी के कारण खराब हो, तो उनकों तत्काल ठीक कराते हुए उनका संचालन सुनिश्चित किया जाये। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने स्पष्ट रूप से निर्देशित करते हुए कहा कि शहर तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कहीं पर भी पेयजल की समस्या नहीं होनी चाहिए। सभी को शुद्ध पेयजल मिलें, यह सुनिश्चित किया जाये।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि जो भी आवश्यक दवायें निर्धारित है, उनकी शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित रहनी चाहिए। उन्होंने जिला अस्पताल में जन औषधी केन्द्र खोलने की व्यवस्था करने के लिए कहा है। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा अन्य अस्पतालों में ठण्डे पीने के पानी, वाटर कूलर की व्यववस्था के साथ-साथ दवाईयों एवं डॉक्टरों की सूची सहित अन्य आवश्यक निर्देशों से सम्बंधित बोर्ड लगाये जाने के लिए कहा है। उन्होंने संजीवनी एप, वेल्नेस सेंटर, स्टेञ्चर, एम्बुलेंस सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रसव के बाद प्रसूता को 48 घण्टें अनिवार्य रूप से अस्पताल में रोकने की व्यवस्था सुनिश्चित होनी चाहिए साथ ही साथ उन्होंने यह भी कहा कि जो भी वैक्सीन लगनी हो, वह भी निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से लग जाये। एम्बुलेंस के संचालन की समीक्षा करते हुए मा0 उपमुख्यमंत्री जी ने एम्बुलेंस के संचालन की जांच किए जाने एवं टीम लगाकर उसके संचालन को सत्यापित किए जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने एम्बुलेंस के रिस्पांस टाईम के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

अधिकारियों को सीएम योगी का सख्त निर्देश, कानून व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ करें कार्रवाई

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर से अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर कहा कि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करने वाले लोगों के साथ सख्ती से निपटा जाए। इसी के साथ उन्होंने सभी मस्जिदों के सामने सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम के निर्देश दिए थे।

दरअसल, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोरखपुर पहुंचे हुए थे जहां उन्होंने कानून व्यवस्था तथा विकास कार्यों की समीक्षा की। योगी आदित्यनाथ ने साफ तौर पर अपने निर्देश में कहा है कि जहां-जहां शांति भंग करने की कोशिश की गई है, वहां कार्रवाई की जाए। सुरक्षा व्यवस्था से कोई खिलवाड़ ना कर सके। योगी आदित्यनाथ का यह निर्देश ऐसे समय में आया है जब जुमे की नमाज के बाद उत्तर प्रदेश के कुछ शहरों में प्रदर्शन की खबर है। पिछले सप्ताह कानपुर में जुमे की नमाज के बाद जमकर प्रदर्शन और बवाल हुआ था।

हालांकि, आज वहां शांति रही। लेकिन प्रयागराज, सहारनपुर, मुरादाबाद जैसे शहरों में आज प्रदर्शन देखने को मिला। इन सब के बीच सभी जगह पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को शांत कराने की कोशिश की। खबर के मुताबिक ACS होम अवनीश अवस्थी, कार्यवाहक DGP, ADG लॉ एंड ऑर्डर जैसे अधिकारी पुलिस मुख्यालय से स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। ACS होम अवनीश अवस्थी ने भी जिलों की स्थिति से संबंधित रिपोर्ट मांगी है।

वहीं, उत्तर प्रदेश के एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार ने कहा है कि आज शांति बनी हुई है। बहुत सारी जगहों पर जुमे की नमाज़ अदा हो चुकी है। व्यापक पुलिस प्रबंध कराए गए हैं। लगभग 130 कंपनी PAC की तैनात है। सोशल मीडिया पर मॉनिटरिंग भी की जा रही है। मुस्लिम धर्म गुरुओं द्वारा भी सहयोग मिला है। प्रशांत कुमार ने कहा कि हमने सौहार्दपूर्ण वातावरण में नमाज़ संपन्न कराने के लिए अपील की है। सहारनपुर में नमाज़ के बाद भीड़ हो गई थी जिसके बाद धीरे-धीरे लोग अपने घर लौट गए। कानपुर में स्थिति शांतिपूर्ण है।उन्नाव व कई जगहों पर पोस्टर के मामले में लगातार कार्रवाई हो रही है। कानपुर के पुलिस आयुक्त विजय सिंह मीणा ने बताया कि सभी जगह पर सकुशल नमाज समाप्त हो गई है। लेकिन हमारे सभी अधिकारी और पुलिस के जवान अभी भी ड्यूटी पर तैनात हैं और रात तक ड्यूटी पर रहेंगे।

नुपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जामा मस्जिद के बाहर प्रदर्शन

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पैगंबर मोहम्मद के बारे में कथित विवादास्पद टिप्पणी के मामले में निलंबित भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा की गिरफ्तारी की मांग को लेकर यहां जुमे की नमाज के बाद लोगों ने जामा मस्जिद के बाहर प्रदर्शन किया। जामा मस्जिद परिसर में बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए जिनमें से कुछ ने तख्तियां ले रखी थीं। प्रदर्शन करने वालों ने नारेबाजी की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कुछ लोग थोड़े समय बाद वहां से चले गए लेकिन कुछ लोग जमे रहे। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुआ प्रदर्शन करीब 10 से 15 मिनट तक चला।

दिल्ली पुलिस ने कथित रूप से नफरत फैलाने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने के मामले में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और विवादास्पद संत यति नरसिंहानंद समेत 31 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पूर्व भाजपा प्रवक्ता नुपुर शर्मा के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। प्राथमिकी में भाजपा की दिल्ली इकाई के पूर्व मीडिया प्रमुख नवीन कुमार जिंदल और पत्रकार सबा नकवी के भी नाम हैं।

चीन के कदम को नजरअंदाज कर भारत के साथ 'विश्वासघात' कर रही है सरकार : राहुल गांधी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत से लगी सीमा के निकट चीन द्वारा बुनियादी ढांचे का विकास किए जाने पर अमेरिका के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के बयान की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को आरोप लगाया कि बीजिंग के इस कदम को नजरअंदाज कर केंद्र सरकार भारत के साथ 'विश्वासघात' कर रही है। उन्होंने ट्वीट किया, चीन भविष्य में शत्रुतापूर्ण कार्रवाई के लिए बुनियाद तैयार कर रहा है। इसको नजरअंदाज करके सरकार भारत के साथ विश्वासघात कर रही है।

गौरतलब है कि अमेरिकी सेना के प्रशांत क्षेत्र के कमांडिंग जनरल चार्ल्स ए. फ्लिन ने गत बुधवार को कहा था कि भारत से लगती सीमा के निकट चीन द्वारा कुछ रक्षा बुनियादी ढांचे स्थापित किया जाना चिंता की बात है। इससे जुड़े सवाल पर भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत चीन से उम्मीद करता है कि अगले दौर की सैन्य स्तर की वार्ता में वह पूर्वी लद्दाख से जुड़े मुद्दों का साझा रूप से स्वीकार्य समाधान निकालने के लिये काम करेगा, क्योंकि दोनों पक्षों का मानना है कि मौजूदा स्थिति का लम्बा खिंचना किसी के हित में नहीं है।

उन्होंने यह भी कहा कि सरकार पश्चिमी क्षेत्र में चीन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के निर्माण समेत सभी घटनाक्रम पर सावधानीपूर्वक नजर रखती है तथा क्षेत्रीय अखंडता एवं सम्प्रभुता की रक्षा के लिये सभी उपाय करने को प्रतिबद्ध है।

क्या कोरोना की चौथी लहर आई? दिल्ली और मुंबई में बढ़े कोरोना संक्रमण के मामले, संक्रमण दर में भी हुआ इजाफा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

देश की राजधानी दिल्ली और आर्थिक राजधानी कहे जाने वाली मुंबई में एक बार फिर से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ने लगे हैं। इतना ही नहीं संक्रमण दर में भी बढ़ोतरी देखी गई है, जो बढ़कर 3.17 फीसदी पर पहुंच गई है। दिल्ली में गुरुवार को कोरोना कि 622 नए मामले दर्ज किए गए, जो पिछले 26 दिनों में सबसे अधिक है। जबकि एक दिन पहले 564 मामले सामने आए थे। ऐसे में दो दिनों में कोरोना के 1100 से ज्यादा मामले सामने आए हैं। जिसके बाद सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या चौथी लहर आ गई है ?

देश में 7,584 नए मामले दर्ज

देश में शुक्रवार को कोरोना के 7,584 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 4,32,05,106 हो गई जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 36,267 पर पहुंच गई है। इसके साथ ही संक्रमण दर 2.26 प्रतिशत दर्ज की गई जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 1.50 प्रतिशत दर्ज की गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना के चलते एक दिन में 24 और मरीजों ने अपनी जान गंवा दी है। जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 5,24,747 हो गई है।

महाराष्ट्र में 2,813 मामले दर्ज

महाराष्ट्र में गुरुवार को कोरोना के 2,813 नए मामले आए, जो पिछले करीब चार महीने में एक दिन में सामने आए मरीजों की सबसे अधिक संख्या है। वहीं एक मरीज की मौत भी हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि राज्य में उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 11,571 हो गई है। नए मामलों में से अकेले मुंबई में 1,702 से आए हैं और राज्य में दर्ज एकमात्र मौत भी महानगर में ही हुई है।

क्या कोरोना की चौथी लहर आई ?

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री आदित्य ठाकरे ने हाल ही में कहा था कि हम देख रहे हैं कि शायद ये चौथी लहर है... हम सबसे कह रहे हैं कि मास्क लगाकर घूमें। हमने मास्क को अनिवार्य नहीं किया है लेकिन

जल्द ही हम इसे फिर से अनिवार्य कर देंगे। लोगों को घबराने की ज़रूरत नहीं है। बूस्टर डोज़ समय से लें।

टुरिस्ट वीजा पर अब घूमने जा सकते है जापान, देश ने कोविड प्रतिबंधों में दी ढील

तोक्यो। जापान ने विदेशी पर्यटकों के लिए शुक्रवार को प्रतिबंधों में ढील दी और वीजा आवेदन स्वीकार करना शुरू कर दिया। यह सुविधा केवल उन यात्रियों को दी जा रही है जो निर्देशित पैकेज यात्रा पर हैं और मास्क लगाने तथा कोविड से बचाव के अन्य नियमों का पालन करने को तैयार हैं। जापान पर्यटन एजेंसी ने कहा कि अमेरिका, ब्रिटेन, चीन, दक्षिण कोरिया,थाईलैंड और सिंगापुर समेत 98 देशों से आने वाले पर्यटकों के आवेदन स्वीकार किये जा रहे हैं जहां संक्रमण का खतरा कम है। भूमि, अवसंरचना, परिवहन और पर्यटन मंत्री तेत्सुओ साइतो ने शुक्रवार को संवाददाताओं से कहा, 'हमें उम्मीद है कि पर्यटन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा।' उन्होंने कहा, 'हम पर्यटन की मांग बढ़ाने का प्रयास करते रहेंगे और साथ ही संक्रमण रोधी कदम और सामाजिक तथा आर्थिक गतिविधियों में संतुलन रखने की भी कोशिश करेंगे।' जापान के दिशा निर्देशों के अनुसार, पर्यटकों को ज्यादातर समय मास्क लगाना अनिवार्य है और कोविड-19 से संक्रमित होने की दशा में इलाज का खर्च उठाने के लिए बीमा खरीदना आवश्यक है।

श्रीलंका ने आर्थिक संकट से निपटने के लिए दो नए मंत्रालय बनाए

कोलंबो। श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे ने देश में भीषण आर्थिक संकट से निपटने के लिए निवेश मंत्रालय सहित दो नए मंत्रालय बनाए हैं। नवगठित प्रौद्योगिकी और निवेश संवर्धन मंत्रालय श्रीलंका में आर्थिक क्षमता को बढ़ावा देते हुए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देगा। इसके अलावा महिला, बाल मामले और सामाजिक अधिकारिता मंत्रालय नाम से एक और मंत्रालय बनाया गया है। इस मंत्रालय के तहत 15 संस्थान शामिल हैं, जिसमें राष्ट्रीय बाल संरक्षण प्राधिकरण और समृद्धि विकास विभाग भी हैं।

उत्तरी इटली में एक हेलीकॉप्टर लापता, तुर्की के चार नागरिकों समेत सात लोग थे सवार

अंकारा (तुर्की)। उत्तरी इटली में एक हेलीकॉप्टर लापता हो गया है, जिसमें तुर्की के चार नागरिकों समेत सात लोगों सवार थे। मीडिया की खबरों में यह जानकारी दी गई। 'एनटीवी' टेलीविजन की खबर के अनुसार, हेलीकॉप्टर ने लुक्का शहर से ट्रेविसो के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन मोडेना क्षेत्र के पास उसका 'रडार' से संपर्क टूट गया। इटली के अधिकारी हेलीकॉप्टर की तलाश कर रहे हैं। खबर के अनुसार, तुर्की के नागरिक 'एक्ज़ैसिबासी कंपनी' के कर्मचारी हैं, जो एक व्यापार मेले में हिस्सा लेने के लिए इटली पहुंचे थे। हेलीकॉप्टर एक इतालवी स्वच्छता एवं घरेलू सफाई उत्पाद कंपनी का था और ग्राहकों को उसके कारखाने ले जाने के लिए इस्तेमाल किया जाता था।

आईएमएफ संकटग्रस्त श्रीलंका में व्यक्तिगत मिशन भेजने की योजना बना रहा- प्रवक्ता

कोलंबो। आईएमएफ आने वाले हफ्तों में संकटग्रस्त श्रीलंका में अपना एक व्यक्तिगत मिशन भेजने की योजना बना रहा है। गौरतलब है कि श्रीलंका इस समय बेहद मुश्किल आर्थिक हालात का सामना कर रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के प्रवक्ता ने कहा कि यह मिशन वित्तीय सहायता पर चर्चा करेगा, लेकिन साथ ही जोड़ा कि वित्त पोषण कार्यक्रम पर आगे बढ़ने से पहले श्रीलंका को ऋण स्थिरता बहाल करने के लिए कदम उठाने की जरूरत है। आईएमएफ के प्रवक्ता गेरी राइस ने कहा कि वैश्विक वित्तीय निकाय अपनी नीतियों के अनुरूप इस कठिन समय में श्रीलंका की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रवक्ता ने बृहस्पतिवार को मीडिया से कहा, ''स्पष्ट रूप से श्रीलंका एक बहुत ही कठिन आर्थिक स्थिति और भुगतान संतुलन की गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। हम मौजूदा संकट के प्रभाव को लेकर बेहद चिंतित हैं। विशेष रूप से मानवीय चिंता है, जो लोगों को प्रभावित कर रही है।'' इससे पहले श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा से अपने सहायता कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाने का आग्रह किया था। राइस ने कहा कि आईएमएफ श्रीलंका की स्थिति पर बारीकी से नगर रखे हुए हैं और आने वाले हफ्तों में कोलंबो में एक व्यक्तिगत मिशन भेजने की योजना बना रहा है।

खराब मौसम में फंसी नौका में सवार लोगों को एक भारतीय इंजीनियर ने बचाया

न्यूयार्क। अमेरिका के न्यू ओर्लियान्स शहर की ओर जा रहे एक तेल टैंकर पोत पर सवार एक भारतीय इंजीनियर ने खराब मौसम के कारण समुद्र में फंसी एक नौका से लोगों को बचाने में मदद की। इस इंजीनियर के पास सेना में काम करने का अनुभव था। अमेरिका की सीमा शुल्क और सीमा रक्षण (सीबीपी) एजेंसी की ओर से बृहस्पतिवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि अप्रैल में चार लोग (एक अमेरिकी नागरिक, अर्जेंटीना का एक नागरिक, एंटीगुआ का एक व्यक्ति और एक ब्रिटिश कप्तान) एंटीगुआ और बारबुडा से महीनेभर की यात्रा पर निकले थे और उन्हें अटलांटिक महासागर पार कर बार्सिलोना जाना था। यात्रा शुरू होने के पांच दिन बाद ही उनकी नौका का जनरेटर खराब हो गया, लेकिन उन्होंने खाने-पीने का सामान और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए बैटरी आदि की बचत कर यात्रा जारी रखी। इस दौरान 15 मई को मौसम खराब हो गया और तेज हवाएं चलने लगीं। नौका पर सवार यात्रियों ने रेडियो के जरिये आसपास के पोतों से संपर्क स्थापित किया और उन्हें सूचना दी। यात्रियों में से एक वैनिसा ने कहा, फ्रमौसम बहुत खराब था और अचानक से पता नहीं कहां से यह टैंकर आ गया।फ्र टैंकर पोत देखकर उन्होंने अपनी नौका छोड़ने और टैंकर में सवार होकर जान बचाने का निर्णय लिया। विज्ञप्ति में कहा गया है, 'तीन प्रयासों के बाद टैंकर पोत पर सवार एक भारतीय इंजीनियर ने बचाव रस्सी बिल्कुल सटीकता से फेंकी, जिसे अर्जेंटीना के नागरिक ने पकड़ लिया।' विज्ञप्ति में इस भारतीय नागरिक के नाम का खुलासा नहीं किया गया है। हालांकि, यह बताया गया है कि वह सैन्य अनुभव रखता है। इसमें कहा गया है, 'कप्तान को छोड़कर सभी को सुरक्षित बचा लिया गया। एंटीगुआ के नागरिक को हाइपरथर्मिया हो गया था और उसे चिकित्सकीय सहायता की जरूरत थी। कप्तान बाद में अजोरेस में उतरा।' चारों यात्रियों ने टैंकर पर 24 दिन गुजारे।

'ग्रेट एस्केप' करने वाले ब्रिटिश कैदी द्वारा पहनी गई घड़ी नीलाम

लंदन । द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजीयों के कैदी कैंप से 'ग्रेट एस्केप' करने वाले ब्रिटिश कैदी द्वारा पहनी गई रोलेक्स की घड़ी नीलाम हो गई है। इसकी नीलामी न्यूयॉर्क (यूएस) में हुई। घड़ी के लिए सर्वाधिक बोली 1,89,000 डॉलर (1.47 करोड़ रुपये से अधिक) की लगी। बता दें कि एडॉल्फ हिटलर की पार्टी के नाम का छोटा रूप नाजी पार्टी था। तब के जर्मनी को नाजी जर्मनी कहा जाता है। घड़ी के खरीदार का नाम अभी सामने नहीं आया है। घड़ी की बिक्री कीमत का अनुमान 2 लाख से 4 लाख डॉलर लगाया जा रहा था लेकिन ऐसा नहीं हुआ। 24 मार्च 1944 को अलायड फोर्सेज के सैनिकों का एक समूह नाजी प्रिजनर कैंप से भाग निकला था। इसकी योजना बनाने वाले लोगों में गेराल्ड इमेसन नामक एक सैनिक भी शामिल थे। यह घड़ी उन्हीं की थी। इसी घटना पर आधारित 1963 में स्टीव मैक्वीन अभिनीत एक फिल्म आई जिसका नाम 'द ग्रेट एस्केप' था। घड़ी की नीलामी आयोजित करने वाली ऑक्शन कंपनी ने कहा है कि इमेसन ने रेडक्रॉस के जरिए घड़ी को स्विटजरलैंड से मंगवाया था। जिसे रेडक्रॉस ने प्रिजन कैंप में डिलीवर किया था. यह कैंप आज के पोलैंड के एक शहर जगन के पास स्थित था। ऑक्शन हाउस का कहना है कि काले चमकदार डायल वाली यह स्टील की घड़ी कैदियों के वहां से भागने में काफी मददगार साबित हुई थी। इस घड़ी से इमेसन को यह पता लगाने में मदद मिली थी कि कैदियों को रेंगकर टनल पार कर में कितना समय लगेगा। साथ ही इससे उन्हें गार्ड्स की पैट्रोलिंग का भी टाइम पता चला था। इस प्लान में करीब 200 कैदी शामिल थे। भागने वालों की कतार में इमेसन 172वें स्थान पर थे। हालांकि, केवल 76 लोग ही वहां से भाग पाए। इनमें इमेसन शामिल नहीं थे। इसके बाद केवल 3 कैदियों को छोड़कर बाकी सभी पकड़ा गए। इनमें से 50 कैदियों को मार दिया गया। इमेसन 1945 में युद्ध खत्म होने के बाद एक अन्य प्रिजन कैंप से आजाद हुए। इमेसन ने यह घड़ी अपने 2003 में अपनी मौत तक पहनी। इससे पहले 2013 में ब्रिटेन में इस घड़ी को नीलाम किया गया था। इस घड़ी के साथ खरीदार को एक रॉयस एयरफोर्स की सीटी और गोल्डफिश क्लब की मेंबरशिप मिलती है। यह क्लब उन पायलट व क्रू के लिए आरक्षित है जो समुद्र में क्रैश लैंड होने के बाद बच गए।

रिपब्लिकन सांसद ने सेवा इंटरनेशनल की सराहना के लिए प्रस्ताव पेश किया

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा में रिपब्लिकन सांसद ब्रायन फिट्ज़पैट्रिक ने एक प्रस्ताव पेश किया है, जिसमें न केवल देश के भीतर, बल्कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में कोविड-19 वैश्विक महामारी तथा अन्य आपदाओं के दौरान स्वैच्छिक कार्यों के लिए 'सेवा इंटरनेशनल यूएसए' व उसके सदस्यों की सराहना की गई है। प्रस्ताव अमेरिका, भारत और कई अन्य देशों में कोविड-19 महामारी से निपटने में सेवा इंटरनेशनल यूएसए और उसके सभी स्वयंसेवकों द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को मान्यता देता है। यह प्रस्ताव आठ जून को सदन में दो बार पढ़ा गया, जिसके बाद इसे हाउस एनर्जी एंड कॉमर्स, हाउस फॉरेन अफेयर्स, हाउस ज्यूडिशियरी के पास भेज दिया गया। प्रस्ताव के मुताबिक, सेवा इंटरनेशनल यूएसए ने 7,50,000 से अधिक अमेरिकियों को कोविड-19 संबंधी सहायता प्रदान की, जिनमें एक लाख से अधिक लोगों को गर्म खाना और भोजन किट देना शामिल है।

स्पेन के पहाड़ों में लगी आग पर काबू पाने का प्रयास करते हुए दमकलकर्मी , सैनिक व आपातकालीन सेवा के कर्मचारी।

डोनाल्ड ट्रंप के चुनावी धांधली के दावे को इवांका ने खारिज किया, कहा-पिता की बात सच नहीं

वॉशिंगटन । अमेरिका में 6 जनवरी 2021 को यूएस कैपिटल (अमेरिकी संसद) पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा हमले के मामले पर सुनवाई की गई। इसे 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। मामले की सुनवाई कर रही अमेरिकी संसद की कमेटी के सामने डोनाल्ड ट्रंप की बेटी इवांका ने अपनी गवाही में चुनाव में धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज कर दिया। इवांका ने कहा कि उनके पिता की यह बात सच नहीं है। सुनवाई के दौरान इवांका ट्रंप ने पिता की ओर से चुनाव में लगाए गए धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा, 'मैं अटॉर्नी जनरल बर्र का सम्मान करती हूं। मैंने सुना है कि वह क्या कह रहे हैं और मैं इस बात को नहीं मानती कि कोई गड़बड़ी हुई थी। उन्होंने कहा कि उनके पिता द्वारा लगाए गए चुनावी धांधली के दावे झूठे थे। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव की चयन समिति ने 6 जनवरी 2021 के दंगों की जांच की है। सुनवाई के दौरान उसने गवाहों को हमले में सैकड़ों दंगाइयों के ग्राफिक फुटेज भी दिखाए।

सिविरोदोनेत्सक में रूस और यूक्रेन के सैनिकों के बीच भीषण संघर्ष

जेलेंस्की ने कहा डोनाबास के भाग्य का फैसला करेगा यह युद्ध

बाकमट (एजेंसी)।

रूस के सैनिकों ने गुरुवार को यूक्रेन के पूर्वी शहर में जमकर गोलाबारी की और सड़कों पर दोनों सेनाओं के बीच जबरस्त लड़ाई हुई। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि यह लड़ाई यूक्रेन के लिए बेहद अहम है, इससे डोनबास क्षेत्र के भविष्य का फैसला होगा। इस बीच, रूस ने दावा किया कि उसने यूक्रेन की राजधानी कीव के पश्चिम में लड़ाई वाले स्थल से दूर एक सैन्य प्रशिक्षण केंद्र पर हमला किया है। तीन महीने से ज्यादा समय से जारी युद्ध में कई नाकामियों के मद्देनजर रूस औद्योगिक डोनबास क्षेत्र की कोयला खदानों और कारखानों पर नियंत्रण करना चाहता है। इस क्षेत्र में रूस समर्थित अलगाववादी वर्षों से यूक्रेन के सैनिकों से लड़ रहे हैं।

अन्य क्षेत्रों में रूसी सैनिकों को अपेक्षित सफलता नहीं मिल पाई है और सिविरोदोनेत्सक क्षेत्र में भी उसे यूक्रेन के सैनिकों के कड़े प्रतिरोध का सामना करना पड़ा है। लुहांस्क के गवर्नर सेरही हैदई ने बताया शहर में भयंकर लड़ाई जारी है। यूक्रेन की सेना हर सड़क और घर के लिए लड़ रही है। वहीं, रूस के रक्षा

मंत्रालय ने कहा कि उसने कीव के पश्चिम में जितोमिर क्षेत्र में यूक्रेन के एक सैन्य अड्डे के खिलाफ मिसाइलों का इस्तेमाल किया। मंत्रालय ने आरोप लगाया कि वहां भाड़े के सैनिकों को प्रशिक्षित किया जा रहा था। रूस के दावों पर यूक्रेन की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

रूस कई बार यूक्रेन पर लड़ाई में भाड़े के सैनिकों का इस्तेमाल करने का आरोप लगा चुका है। विदेशियों ने यूक्रेन की नियमित सेना के हिस्से के रूप में लड़ाई लड़ी है और कुछ स्वयंसेवक सैन्य ब्रिगेड में शामिल हुए हैं लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वे भाड़े के सैनिक हैं या नहीं। जितोमिर क्षेत्र को पहले भी कई बार निशाना बनाया गया है, लेकिन लड़ाई मुख्य रूप से यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र में केंद्रित है। जेलेंस्की ने अपने सैनिकों से डोनबास में लड़ाई के केंद्र सिविरोदोनेत्सक क्षेत्र की रक्षा के लिए हर मुमकिन प्रयास करने को कहा। जेलेंस्की ने बुधवार रात वीडियो संबोधन में कहा, कई मायनों में, वहां हमारे डोनबास के भाग्य का फैसला किया जा रहा है।

जेलेंस्की के सलाहकार ओलेकसई एरीस्तोविच ने कहा रूसी सैनिकों ने लिसिचांस्क शहर पर भी लगातार बमबारी की है। उन्होंने कहा लिसिचांस्क और बाकमत को दक्षिण-पश्चिम से जोड़ने वाली सड़क का संपर्क खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, मारियुपोल में एक जमींदोज इमारत के मलबे से 100 शव निकाले गए। कई सप्ताह की लड़ाई के बाद मारियुपोल पर रूस ने पिछले दिनों कब्जा कर लिया था। मारियुपोल के मेयर के सहायक पेत्रो आंद्रयुचेनको ने टेलीग्राम एप पर कहा कि शव मुर्दाघर में रखने या दफनाने के लिए ले जाए गए हैं। यूक्रेन के अधिकारियों का अनुमान है कि कई हफ्तों तक रूस की घेराबंदी में इस शहर में 21,000 लोगों की मौत हुई।

भारत से लगी सीमा के संबंध में अमेरिकी जनरल की टिप्पणी पर बौखलाया चीन, कहा- दो देशों के बीच आग लगा रहा यूएस

बीजिंग। (एजेंसी)।

चीन ने भारत से लगी सीमा पर रक्षा बुनियादी ढांचा स्थापित करने को लेकर अमेरिका के शीर्ष जनरल की आलोचनात्मक टिप्पणियों को बृहस्पतिवार को निंदनीय करार दिया। साथ ही उसने आग में घी डालने डालने की कुछ अमेरिकी अधिकारियों की कोशिशों कीआलोचना की और कहा कि चीन तथा भारत के पास वार्ता के जरिये उचित तरीके से अपने मुद्दों को सुलझाने की इच्छाशक्ति और क्षमता है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने यहां संवाददाता सम्मेलन के दौरान अमेरिकी सेना के प्रशांत क्षेत्र के कमांडिंग जनरल चार्ल्स ए. फ्लिन की टिप्पणियों के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में यह बात कही, जिन्होंने पूर्वी लद्दाख में स्थिति को चिंताजनक करार दिया था। झाओ ने कहा, यह सीमा विवाद चीन और भारत के बीच है (और) दोनों पक्षों के पास वार्ता के जरिये उचित तरीके से मुद्दे के समाधान के लिये इच्छाशक्ति और क्षमता है।

झाओ ने कहा कि कुछ अमेरिकी अधिकारी आग में घी डाल रहे हैं और उंगलियां उठा रहे हैं। यह निंदनीय है। हम उम्मीद करते हैं कि वे क्षेत्रीय शांति व स्थिरता में योगदान के लिये ज्यादा काम करेंगे। उन्होंने दोहराया कि पूर्वी लद्दाख में स्थिति स्थिर हो रही है, जहां दोनों पक्षों के बीच दो साल से अधिक समय से सैन्य गतिरोध देखा गया है। झाओ ने कहा, कुल मिलाकर वहां स्थिति स्थिर हो रही है और दोनों देशों के बलों ने पश्चिमी खंड के अधिकांश क्षेत्रों में पीछे हटने की जरूरत महसूस की है। दरअसल भारत यात्रा पर आए फ्लिन ने बुधवार को नयी दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) का अस्थिर और कटू व्यवहार मददगार नहीं है और भारत से लगती अपनी सीमा के निकट चीन द्वारा स्थापित किए जा रहे कुछ रक्षा बुनियादी ढांचे चिंताजनक हैं। उन्होंने कहा था, ''मुझे लगता है कि (चीनी सेना की) पश्चिमी थिएटर कमान में जो कुछ बुनियादी ढांचा तैयार किया जा रहा है, वह चिंताजनक है।

वेंटिलेटर पर पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ, हालात काफी नाजुक

तेहरान (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के स्वास्थ्य को लेकर कई तरह की अटकलें चल रही हैं। इन सबके बीच खबर यह है कि फिलहाल परवेज मुशर्रफ को वेंटिलेटर पर लिटाया गया है। खबर के मुताबिक वह काफी लंबे समय से बीमार चल रहे हैं। हालांकि कई जगहों पर उनके निधन की भी खबर चली। लेकिन उनकी पार्टी ऑल पाकिस्तान मुस्लिम लीग की ओर से इसे फेक न्यूज़ बताया गया है। परवेज मुशर्रफ ने 2001 से लेकर 2008 तक पाकिस्तान पर शासन किया। 2016 से वह दुबई में रह रहे हैं। परवेज मुशर्रफ कई बीमारियों से लगातार जूझ रहे हैं।

हालात नाजुक होने की वजह से उन्हें वेंटिलेटर पर शिफ्ट किया गया है। डॉक्टरों की स्पेशल टीम परवेज मुशर्रफ के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। यह

वही परवेज मुशर्रफ है जिन्होंने 1999 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अंधेरे में रखकर कारगिल युद्ध की शुरुआत की थी। इतना ही नहीं, सेना अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने पाकिस्तान में तख्तापलट भी की थी। कारगिल युद्ध के समय वह पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख थे। नवाज शरीफ को सत्ता से हटाकर खुद पाकिस्तान की सत्ता को इन्होंने संभाला था। परवेज मुशर्रफ के खिलाफ 2013 में देशद्रोह का भी मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्हें 31 मार्च 2014 को दोषी ठहराया गया था। परवेज मुशर्रफ का जन्म 11 अगस्त 1943 में ब्रिटिश इंडिया के दिल्ली में हुआ था। 1961 से लेकर 2007 तक वह पाकिस्तानी आर्मी से जुड़े हुए हैं।

यूक्रेन की मदद करने वालों थोड़ा सावधान!

दो ब्रिटिश नागरिकों को रूस ने सुनाई मौत की सजा

बाकमत (यूक्रेन)। (एजेंसी)।

यूक्रेन की तरफ से लड़ रहे दो ब्रिटिश नागरिकों एवं मोरक्को के एक नागरिक को बृहस्पतिवार को रूस समर्थित विद्रोहियों ने मौत की सजा सुनाई। इस बीच रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपनी तुलना 17वीं सदी के रूसी सम्राट पीटर द ग्रेट से की और क्षेत्र को 'वापस लेने' तथा 'अपना बचाव' करने की देश की जरूरत के बारे में अपनी बात रखी। स्वघोषित दोनेत्स्क पीपुल्स रिपब्लिक की अदालत ने तीन लोगों को सरकार को पदच्युत करने के लिए हिंसक कार्रवाई करने के आरोप में मौत की सजा सुनाई। उन्हें सैन्य गतिविधि और आतंकवाद का भी दोषी ठहराया।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती ने बताया कि तीनों आरोपी एडेन असलिन, शॉन पिनर और सौदुन ब्राहिम को गोली मारकर मौत की सजा दी जाएगी और फैसले के खिलाफ अपील करने के लिए उनके पास एक महीने का समय है। अलगावादियों ने दावा किया कि ''वे भाड़े पर लड़''रहे तीन

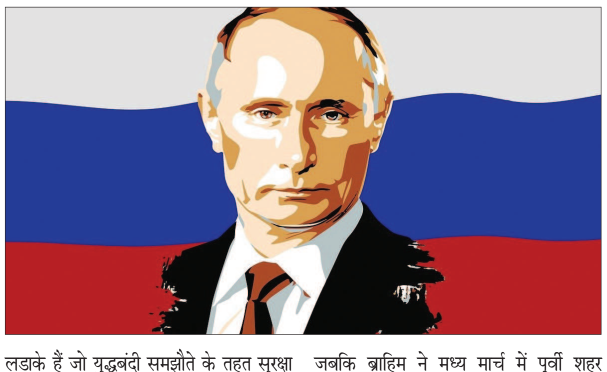

लड़ाके हैं जो युद्धबंदी समझौते के तहत सुरक्षा की अर्हता नहीं रखते हैं। वहीं एडेन असलिन और शॉन पिनर के परिवारों ने कहा कि दोनों वर्ष 2018 से ही यूक्रेन में रह रहे हैं और यूक्रेन की सेना में ''लंबे समय से सेवारत''कर्मी हैं। तीनों यूक्रेन की ओर से लड़ रहे थे।

पिनर और असलिन ने अप्रैल के मध्य में दक्षिणी बंदरगाह शहर मारियुपोल में रूस समर्थक बलों के समक्ष आत्मसमर्पण किया था जबकि ब्राहिम ने मध्य मार्च में पूर्वी शहर वोलनोवखा में आत्मसमर्पण किया था। इससे पहले रूस की सेना ने कहा था कि यूक्रेन के लिए किराए पर लड़ रहे विदेशी, सैनिक नहीं हैं और पकड़े जाने पर उन्हें लंबी सजा की उम्मीद करनी चाहिए। वहीं रूस समर्थक बलों द्वारा गिरफ्तार एक और ब्रिटिश नागरिक एंड्रयू हिल सुनवाई का इंतजार कर रहा है।

कराची में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़: पाकिस्तान ने भारत में मुस्लिम समुदाय की स्थिति पर उठाए सवाल

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

कराची में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की खबर पर भारत की ओर से दिए गए बयान को पाकिस्तान ने खारिज कर दिया है। इसके साथ ही पाकिस्तान ने भारत में 'मुस्लिम समुदाय की स्थिति' पर सवाल उठाए हैं। कराची में बुधवार को कोरंगी थाना क्षेत्र के 'जे' इलाके में स्थित श्री मारी माता मंदिर में अज्ञात लोगों ने तोड़फोड़ की थी। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पूजास्थल पर किए गए एक और हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने इसे 'धार्मिक अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न का एक और मामला बताया था।' बागची ने बृहस्पतिवार को नयी दिल्ली में कहा था, 'हमने पाकिस्तान सरकार को अपने विरोध से अवगत कराया है और उससे एक बार फिर मुल्क में अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की है। लिहाजा आपने जो मुद्दा उठाया है, उस पर हमारी प्रतिक्रिया यही है।' भारत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया, 'भारत की सरकारी मशीनरी उन धार्मिक उन्मादियों को पूरा संरक्षण देती है, जो मुस्लिम समुदाय के खिलाफ हिंसा करते हैं, लेकिन पाकिस्तान सरकार ने उक्त मामले का संज्ञान लिया है और ऐसा करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है।'

मंत्रालय ने कहा, 'हमलावरों के खिलाफ एक प्राथमिकी दर्ज की गई है और उनकी पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है। वे कानून के शिकंजे से बच नहीं सकते और सरकार उनके साथ सख्ती से पेश आएगी।' पाक विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत को आत्मचिंतन करने और अपने यहां रहने वाले अल्पसंख्यकों के मौलिक अधिकारों, जीवन और उपासना स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो पूर्व पदाधिकारियों की ओर से हाल ही में दिए गए बेअदबी के बयान की शीर्ष नेतृत्व और भारत सरकार द्वारा एकमत से निंदा करना भारत में मुस्लिमों की परेशानी का समाधान निकालने की दिशा में उठाया गया पहला कदम होगा।

सुविचार आशा कभी आपको छोड़कर नहीं जाती है, आप इसे छोड़ते है। - जॉर्ज वीनबर्ग

संपादकीय

एमएसपी का लक्ष्य

निस्संदेह, ऐसे वक्त में जब बाजारी शक्तियां कृषि उपज के निर्मम कारोबार में जुटी हैं तो एमएसपी का सुरक्षा कवच छोटे किसानों को संरक्षण ही देता है। हाल में लंबे चले किसान आंदोलन के उपरांत कृषि सुधारों को वापस लेने के बाद किसानों की जो प्रमुख मांग थी, वह यह कि एमएसपी को कानूनी गारंटी दी जाये। दरअसल, किसान के खेत में ज्यादा और कम अनाज उत्पादन की स्थिति में किसान ही घाटे में रहता है। मांग व आपूर्ति का अर्थशास्त्र किसान के खून-पसीने की उपज के दाम निर्धारित करता है। ऐसे में ज्यादा आपूर्ति की दशा में भी किसान की उपज का दाम गिर जाता है। अतः एमएसपी से छोटे किसानों को काफी मदद मिलती है। बहरहाल, हालिया एमएसपी वृद्धि का मकसद जहां किसानों की उपज को संरक्षण देना है, वहीं यह संदेश देना भी है कि किसान देश की जरूरतों के कृषि उत्पादों को तरजीह दें। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि एमएसपी के प्रलोभन में ऐसे इलाकों में भी धान की खेती हो रही है,जहां जल संकट मंडरा रहा है। वहीं उन राज्यों में धान की बंपर पैदावार हो रही है, जहां राज्य की जनता का मुख्य भोजन चावल नहीं है। धान की खेती के लिये अंधाधुंध भूमिगत जल का दोहन किया जा रहा है, जिसके चलते पानी का स्तर काफी नीचे चला गया है। खासकर ग्लोबल वॉर्मिंग के संकट को देखते हुए ऐसी फसलों को तरजीह दी जानी चाहिए कि जिनमें कम पानी में अधिक फसल हासिल की जा सके। पिछले रबी सीजन में हमने गेहूं की फसल में इस संकट के प्रभाव को देखा, जब पिछले सालों के मुकाबले उत्पादन में गिरावट आई है। हमें अब फसलों के विविधीकरण की तरफ बढ़ना चाहिए, जो विकट मौसम में भी अच्छी फसल दे सके। यदि हम समय रहते नहीं जागे तो इसकी कीमत देश के साथ-साथ किसान को भी चुकानी पड़ेगी। दरअसल, बुधवार को प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में खरीफ की जिन 14 फसलों की 17 किस्मों के लिये न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा की गई है, उसका मुख्य मकसद खेती को विविधीकरण की ओर ले जाना ही है। वहीं दूसरा मकसद देश की जरूरत के मुताबिक फसलों को बढ़ावा देना भी है। निस्संदेह, भारतीय राजनीति में कृषि घटक की भूमिका धान के एमएसपी मूल्य में बढ़ोतरी के पक्षधर की रही है। यही वजह है कि धान के समर्थन मूल्य में भी 100 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। लेकिन सरकार ने दलहन व तिलहन को अपनी प्राथमिकता सूची में रखा है। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश के लोगों की जरूरतों के लिये प्रति वर्ष एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का खाद्य तेल का आयात किया जाता है। निस्संदेह, भारत जैसे कृषि संस्कृति वाले देश के लिये यह स्थिति अच्छी नहीं कही जा सकती। हालांकि,हाल के वर्षों में दलहन को प्रोत्साहन के चलते देश में दालों का उत्पादन बढ़ा है। लेकिन सरकार ने लगता है अब अपना ध्यान तिलहन उत्पादन को बढ़ावा देने पर केंद्रित किया है। यही वजह है कि हाल में की गई एमएसपी वृद्धि के क्रम में तिल की एमएसपी में 523 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। वहीं सूरजमुखी बीज की एमएसपी में 56 फीसदी, सोयाबीन में 53 फीसदी व मूंगफली की एमएसपी में 51 फीसदी की वृद्धि की गई है। यह अप्रत्याशित वृद्धि किसानों को साफ संदेश है कि देश की जरूरत के मुताबिक फसलों का उत्पादन करोगे तो निश्चित रूप से फायदे में रहोगे। किसान को अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिये बाजार की जरूरत के मुताबिक फसलों का उत्पादन करना चाहिए।

बच्चों की मौत को रोकने के हो सार्थक प्रयास

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

कहते हैं कि बच्चे देश का भविष्य होते हैं। बच्चे ही बड़े होकर देश के विकास को आगे बढ़ाते हैं। कम उम्र में ही बच्चों की प्रतिभा का पता चल जाता है कि आगे चलकर यह विशिष्ट प्रतिभाशाली व्यक्ति बनेगा। मगर दुनिया में बहुत से बच्चे ऐसे होते हैं जो अपने जन्म से पांच साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते ही विभिन्न बीमारियों से ग्रसित होकर मर जाते हैं। इस तरह मरने वाले बच्चों की संख्या बहुत अधिक है। भारत में भी हर दिन पांच साल से कम उम्र के बच्चे बड़ी संख्या में मौत के मुंह में चले जाते हैं। आज के वैज्ञानिक युग में बच्चों की इस तरह से मौत होना बहुत ही दुखदाई तो है ही साथ ही दुनिया के सामने एक यक्ष प्रश्न भी है कि नवजात बच्चों की इस तरह से होने वाली मौत को क्यों नहीं रोका जा सकता है। हालांकि पिछली सदी के मुकाबले बच्चों की मौत को काफी हद तक नियंत्रित किया गया है। मगर आज भी बड़ी संख्या में बच्चों की मौत सभी को दुखी कर रही है। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी मुकाबला दुनिया ने बड़ी हिम्मत के साथ किया था। भारत सहित दुनिया के कई देशो के वैज्ञानिकों ने मात्र आठ महीनों में ही कोरोना से बचाव की दवा बना कर काफी हद तक कोरोना महामारी पर नियंत्रण पा लिया। ऐसे में सवाल उठता है कि जब कोरोना जैसी महामारी को नियंत्रित किया जा सकता है तो फिर बच्चों की होने वाली मौत को क्यों नहीं रोका जा सकता है। निमोनिया पांच साल से कम उम्र के बच्चों में मौत का बड़ा कारण है। इसके उपचार में देरी बच्चे की जान के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है। उचित देखभाल और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के चलते नवजात शिशुओं की मौत पर नियंत्रण लगाना कितना मुश्किल है। इसका पता सेव दि चिल्ड्रन संस्था द्वारा जारी की गई रिपोर्ट से चलता है। रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में हर साल दस लाख से अधिक बच्चे एक दिन से ज्यादा जीवित नहीं रह पाते। रिपोर्ट ने प्रशिक्षित स्वास्थ्यकर्मियों और जन्म से जुड़ी जटिलताओं को इन मौतों की सर्वाधिक प्रमुख वजह माना है। जन्म के समय उचित देखभाल और प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्मिकाओं की जरूरत को तमाम स्वास्थ्य और सामाजिक कार्यकर्ता रेखांकित करते रहे हैं। इस बात को रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया है कि अगर जन्म के समय प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी मौजूद हों तो लगभग आधी मौतों को टाला जा सकता है। स्वास्थ्य सेवाओं के जानकार मानते हैं कि अधिकांशतः गरीब देशों में जहां स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध नहीं हो पातीं। वहां शिशुओं के लंबे समय तक जीवित रहने की संभावना भी बहुत कम होती है। खुद भारत की स्थिति भी इस मामले में बहुत अच्छी नहीं है।

स्वास्थ्य किसी भी देश के लिए सबसे बड़ी प्राथमिकता वाला क्षेत्र होता है। किसी भी समाज की खुशहाली का अनुमान उसके बच्चों को देखकर लगाया जा सकता है। लेकिन जिस समाज में हर साल लाखों बच्चे इस दुनिया में अपना एक दिन भी पूरा नहीं कर पाते वह कैसा समाज होगा इसे बताने की जरूरत नहीं। जब देश में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की कोई कमी नहीं है। तब ऐसा होना शर्मनाक ही नहीं बल्कि एक घृणित अपराध है।

भारत में हर साल 5 साल से कम उम्र के करीब 10 लाख बच्चे कुपोषण के कारण मर जाते हैं। इतना ही नहीं कुपोषण के मामले में भारत दक्षिण एशिया का अग्रणी देश बन गया है। जहां कुपोषण के मामले सबसे अधिक पाए जाते हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि कुपोषण को चिकित्सकीय आपातकाल करार दिया जाए। उनका कहना है कि ये आंकड़े चैंकाने वाले हैं और अति कुपोषण के लिए आपातकालीन सीमा से ऊपर है। कुपोषण की समस्या को हल करने के लिए पॉलिसी बनाने एवं इसके क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त बजट की आवश्यकता है। यूनिसेफ ने द स्टेट ऑफ द वर्ल्ड्स चिल्ड्रन 2019 नाम की अपनी रिपोर्ट में बताया कि भारत में पांच वर्ष से कम आयु के हर पांचवें बच्चे में विटामिन ए की कमी है। हर तीसरे बच्चे में से एक को विटामिन बी की कमी है और हर पांच में से दो बच्चे खून की कमी से ग्रस्त हैं। भारत में पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों में 69 प्रतिशत मौतों का कारण कुपोषण है। इस आयु वर्ग में हर दूसरा बच्चा किसी न किसी रूप में कुपोषण से प्रभावित है। रिपोर्ट में कहा गया है कुपोषण के शिकार बच्चों की संख्या भारत में दक्षिणी एशिया के देशों से बहुत ही ज्यादा है। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट के अनुसार 40 प्रतिशत बच्चे ग्रोथ की समस्या के शिकार हैं। 60 फीसदी बच्चे कम वजन का शिकार हैं। यह स्थिति चिंताजनक है और युद्ध के पैमाने पर इस समस्या के समाधान के लिए रणनीति बनाया जाना जरूरी है। सूडान और कई दक्षिणवर्ती अफ्रीकी देशों के 51 प्रतिशत मामलों में किसी प्रशिक्षितकर्मी के मौजूद न होने की बात सामने आई है। इन इलाकों में एक करोड़ की आबादी पर सिर्फ तीन सौ स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहतें हैं। हर साल चार करोड़ महिलाएं किसी प्रशिक्षित कर्मचारी की मदद के बिना बच्चों को जन्म देती हैं। इथोपिया में सिर्फ दस फीसदी जन्म प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मचारी की मदद से होते हैं वहीं ग्रामीण अफगानिस्तान के कुछ इलाकों में तो दस हजार लोगों पर सिर्फ एक स्वास्थ्य कार्मिका होती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैसे तो लोगों की सेहत के लिए काफी इंतजाम किए गए हैं और मानवाधिकारों की स्थिति में भी सुधार हुआ है। लेकिन अब भी बहुत से इलाकों और समुदायों में बहुत गहरी असमानता बनी हुई है। इनमें से भी करीब एक चैथाई यानी 25 फीसद मौतें सिर्फ भारत में होती हैं।

भारत ने पिछले पांच दशकों में भले ही चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति करते हुए शिशु मृत्यु दर पर काबू पाया है। लेकिन आज भी शिशुओं की मौत बड़ा सवाल है। वर्तमान में प्रत्येक एक हजार शिशुओं में से 28 की मौत एक साल का होने से पहले ही हो जाती है। भारत के महापंजीयक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार साल 1971 में भारत की शिशु मृत्यु दर 129 थी। जो साल 2020 में बड़े सुधार के साथ 28 पर आ गई है। पिछले 10 सालों में तो इस में 36 प्रतिशत का सुधार देखने को मिला है। साल 2011 में देश की शिशु मृत्यु दर 44 थी जो अब 28 पर आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि देश ने चिकित्सा क्षेत्र में बहुत अधिक उन्नति की है। आंकड़ों के अनुसार पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्र की शिशु मृत्यु दर में सबसे अधिक सुधार हुआ है। 2011 में ग्रामीण क्षेत्र में 48 पर रहने वाली शिशु मृत्यु दर साल 2020 में 31 पर आ गई थी। इसी तरह शहरी क्षेत्रों में 2011 में यह 29 पर पर रहने वाली शिशु मृत्यु दर 2020 में 19 पर आ गई थी। पिछले एक दशक में ग्रामीण क्षेत्रों की शिशु मृत्यु दर में 35 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों में 34 प्रतिशत की गिरावट आई है।

यह देश के लिए बड़ी उपलब्धि है। देश के सकल घरेलू उत्पाद का 3.01 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर खर्च किया जाता है। जो काफी कम है इसे बढ़ाने की जरूरत है। देश में स्वास्थ्य सेवाओं को दूरस्थ गांव-देहात तक पहुंचाना होगा। देश के हर नागरिक को समय पर पर्याप्त चिकित्सा सुविधा मिलना सुनिश्चित हो। तभी भारत में नवजात शिशुओं की मौत पर रोक लगायी जा सकती है।

(11 जून) विश्व हाथी दिवस

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

एक अंतरराष्ट्रीय वार्षिक आयोजन है, जो दुनिया के हाथियों के संरक्षण और संरक्षण के लिए समर्पित है। कनाडा के फिल्म निर्माताओं पेट्रीसिया सिम्स और कैनाज़वेस्ट पिक्चर्स के माइकल क्लार्क और थाईलैंड में हाथी प्रजनन फाउंडेशन के महासचिव शिवपोर्न दरदारानंद द्वारा 2011 में कल्पना की गई थी, इसे आधिकारिक तौर पर 12 अगस्त को पेट्रीसिया सिम्स और हाथी प्रजनन फाउंडेशन द्वारा स्थापित, समर्थित और लॉन्च किया गया था। 2012 उस समय से, पेट्रीसिया सिम्स ने विश्व हाथी दिवस का नेतृत्व, समर्थन और निर्देशन जारी रखा है, जिसे अब 100 से अधिक वन्यजीव संगठनों और दुनिया भर के देशों में कई व्यक्तियों द्वारा मान्यता प्राप्त और मनाया जाता है।

मिशन

विश्व हाथी दिवस का लक्ष्य अफ्रीकी और एशियाई हाथियों की तत्काल दुर्दशा के बारे में जागरूकता पैदा करना और बंदी और जंगली हाथियों की बेहतर देखभाल और प्रबंधन के लिए ज्ञान और सकारात्मक समाधान साझा करना है। संकटग्रस्त प्रजातियों की द्बष्टह लाल सूची में अफ्रीकी हाथियों को फ्रकमजोरफ्र और एशियाई हाथियों को फ्रलुप्तप्रायफ्र के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। एक संरक्षणवादी ने कहा है कि अफ्रीकी और एशियाई दोनों हाथी बारह वर्षों के भीतर विलुप्त होने का सामना कर रहे हैं। वर्तमान जनसंख्या अनुमान अफ्रीकी हाथियों के लिए लगभग 400,000 और एशियाई हाथियों के लिए 40,000 है, हालांकि यह तर्क दिया गया है कि ये संख्या बहुत अधिक है।

इतिहास

पहला विश्व हाथी दिवस 12 अगस्त 2012 को आयोजित किया गया था। विलियम शैटनर द्वारा सुनाई गई फ़िल्म रिटर्न टू द फ़ॉरेस्ट, बंदी एशियाई हाथियों के जंगली में पुनः परिचय के बारे में है [और उद्घाटन विश्व हाथी दिवस पर रिलीज़ हुई थी। फॉलो-अप फीचर फिल्म व्हेन एलीफेंट्स वेयर यंग, जिसे शैटनर द्वारा भी सुनाया गया है, थाईलैंड में एक युवक और युवा हाथी के जीवन को दर्शाती है।

अवैध शिकार

हाथीदांत की मांग, जो चीन में सबसे अधिक है, अफ्रीकी और एशियाई दोनों हाथियों के अवैध शिकार की ओर ले जाती है। उदाहरण के लिए, दुनिया के सबसे बड़े हाथियों में से एक, सातो को हाल ही में उसके प्रतिष्ठित दाँतों के लिए मार दिया गया था।एक और प्रतिष्ठित केन्याई हाथी, माउंटेन बुल, भी शिकारियों द्वारा मारा गया था, और हाथी दांत के लिए सड़क मूल्य अब सोने से अधिक हो गया है, अफ्रीकी हाथी एक अवैध शिकार महामारी का सामना करते हैं। मांस, चमड़े और शरीर के अंगों के लिए हाथियों का भी अवैध शिकार किया जाता है, अवैध वन्यजीव व्यापार के कारण हाथियों को खतरे में डाल दिया जाता है, क्योंकि इसे कम जोखिम और उच्च लाभ का प्रयास माना जाता है। इन जानवरों के बड़े आकार के साथ-साथ परिवहन के लिए आवश्यक उपकरणों की मात्रा के कारण शिकारियों को अक्सर इस गतिविधि के लिए प्रशिक्षित माना जाता है।

प्राकृतिक वास का नुकसान

वनों की कटाई, खनन में वृद्धि, और कृषि गतिविधियों के कारण आवास का नुकसान विशेष रूप से एशियाई हाथियों के लिए समस्याग्रस्त हो गया है। आवास का विखंडन भी अलगाव पैदा करता है - यह प्रजनन को और अधिक कठिन बना देता है, और शिकारियों को हाथियों को खोजने और अधिक आसानी से जाल लगाने की अनुमति देता है।एशियाई हाथियों ने अपने निवास स्थान का लगभग 30-40त्न खो दिया है, जिससे अपनी संतान और खुद को बनाए रखना अविश्वसनीय रूप से कठिन हो गया है।

मानव-हाथी संघर्ष

मानव-हाथी संघर्ष एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय है, क्योंकि जैसे-जैसे मानव आबादी बढ़ती है और वनों का आच्छादन घटता जाता है, हाथियों को मानव बस्तियों के साथ निकटता के लिए मजबूर किया जाता है। घटनाओं में फसल क्षति और आर्थिक नुकसान के साथ-साथ हाथी और मानव हताहत दोनों शामिल हैं।

कैद में दुर्व्यवहार

चिड़ियाघरों, सर्कसों और पर्यटन में हाथियों की देखभाल और उपचार के संबंध में कानून की कमी के कारण अक्सर उनके साथ दुर्व्यवहार होता है। बंदी हाथियों के लिए एक गंभीर खतरा हो सकता है, और एशियाई हाथियों को अक्सर अवैध रूप से जंगली में पकड़ लिया जाता है और आकर्षक पर्यटन उद्योग में तस्करी की जाती है।

सेलिब्रिटी आवाज

लियोनार्डो डिकैप्रियो, क्रिस्टिन डेविस, विलियम शटनर,याओ मिंग,प्रिंस विलियम, जोर्जा फॉक्स, सहित कई उल्लेखनीय हस्तियों ने हाथी संरक्षण की तात्कालिकता के बारे में बात की है। एलेक बाल्डविन, स्टीफन फ्राई,एशले जुड, जैडा पिंकेट स्मिथ, कैथरीन बिगेलो, और बराक ओबामा, [56] और हिलेरी और चेल्सी क्लिंटन जैसे राजनेता।

आज के कार्टुन

पॉजिटिव सोच

सद्गुरु

सारी दुनिया में बहुत सारे लोग 'सकारात्मक सोच' के बारे में बात करते हैं। जब आप सकारात्मक सोच की बात कर रहे हैं तो एक अर्थ में आप वास्तविकता से दूर भाग रहे हैं। आप जीवन के सिर्फ एक पक्ष को देखना चाहते हैं और दूसरे की उपेक्षा कर रहे हैं। आप तो उस दूसरे पक्ष की उपेक्षा कर सकते हैं, लेकिन वो आप को नजरअंदाज नहीं करेगा।अगर आप दुनिया की नकारात्मक बातों के बारे में नहीं सोचते तो आप एक तरह से मूखरे के स्वर्ग (अवास्तविक दुनिया) में जी रहे हैं और जीवन आप को इसका सबक अवश्य सिखाएगा। अभी, मान लीजिए, आकाश में गहरे काले बादल छाए हैं। आप उनकी उपेक्षा कर सकते हैं मगर वे ऐसा नहीं करेंगे। जब वे बरसेंगे तो बस बरसेंगे। आप को भिगोएंगे तो भिगोएंगे ही। आप इसे नजरअंदाज कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि सबकुछ ठीक हो जाएगा-इसकी थोड़ी मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रासंगिकता हो सकती है पर अस्तित्व, वास्तविकता की दृष्टि से यह सुसंगत नहीं होगा। यह सिर्फ एक सांत्वना होगी। वास्तविकता से अवास्तविकता की ओर बढ़ते हुए, आप अपने आप को सांत्वना, धीरज दे सकते हैं। इसका कारण यह है कि आप को कहीं पर ऐसा लगता है कि आप वास्तविकता को संभाल नहीं सकते। और शायद आप नहीं ही संभाल सकते, अतः आप इस सकारात्मक सोच के वशीभूत हो जाते हैं कि आप नकारात्मकता को छोड़ना चाहते हैं और सकारात्मक सोचना चाहते हैं। या, दूसरे शब्दों में कहें तो आप नकारात्मकता से दूर जाना, उसका परिहार करना चाहते हैं। आप जिस किसी चीज का परिहार करना चाहें, वही आप की चेतना का आधार बन जाती है। आप जिसके पीछे पड़ते हैं, वह आप की सबसे ज्यादा मजबूत बात नहीं होती। आप जिससे दूर जाना चाहें, वो ही आप की सबसे मजबूत बात हो जाएगी। वो कोई भी, जो जीवन के एक भाग को मिटा देना चाहता है और दूसरे के ही साथ रहना चाहता है, वह अपने लिये सिर्फ दुख ही लाता है। सारा अस्तित्व ही द्वंद्वों के बीच होता है। आप जिसे सकारात्मक और नकारात्मक कहते हैं, वो क्या है? पुरु षत्व और स्त्रीत्व, प्रकाश और अंधकार, दिन और रात। जब तक ये दोनों न हों, जीवन कैसे होगा?

सू-दोकू नवताल - 2137

9		2	5	8	3	1		7
5	3			7	9			
		8		1				
8	2					5		6
3		6	1	4	2	7		9
1		7					3	4
				6		4		
			7	2			9	8
7		9	8	3	5	6		1

सू-दोकू 2136 का हल

2	3	5	6	9	8	7	4	1
1	8	6	7	4	3	5	2	9
4	7	9	1	5	2	8	6	3
3	4	7	8	1	9	2	5	6
5	9	2	3	6	7	4	1	8
8	6	1	4	2	5	9	3	7
6	2	3	9	7	4	1	8	5
7	5	8	2	3	1	6	9	4
9	1	4	5	8	6	3	7	2

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2137

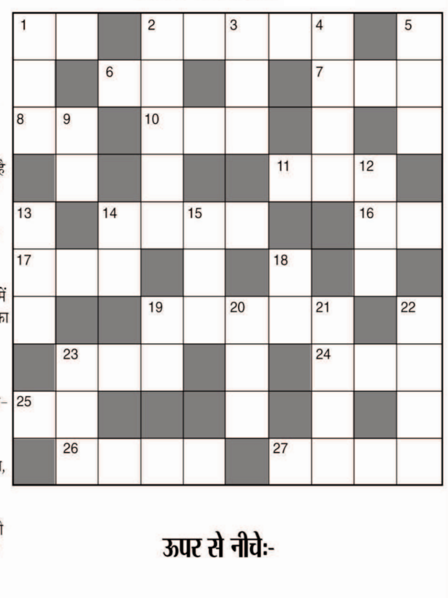

बायें से दायें:-

1. फरदीन, करीना की अमिताभ बच्चन की शीर्षक भूमिका वाली फिल्म-2
2. 'चल दरिया में डूब' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा, मुमताज की फिल्म-2,3
6. करणनाथ, मनीषा, नतान्या की 'दिल तो उड़ने लगा' गीत वाली फिल्म-2
7. 'बाहर है प्रॉबलम' गीत वाली अमृता सिंह, अमिताभ, मीनाक्षी की फिल्म-3
8. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-2
10. 'सुनता है मेरा खुदा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-3
11. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'गोरी तेरे अंग अंग में' गीत वाली फिल्म-3
14. 'बोल बेबी बोल' गीत वाली अनिलकपूर, मीनाक्षी की फिल्म-2,2
16. बॉबी देओल, मनीषा, काजोल की 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली फिल्म-2
17. 'कोई माने या ना माने' गीत वाली फिरोजखान, रेखा की फिल्म-3
19. देवआनंद, वहीदा की 'है अपना दिल तो आवारा' गीत वाली फिल्म-3,2
23. 'गिर गया झुमका' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
24. फिल्म 'तीसरी कसम' में राजकपूर के साथ नायिका कौन थी?-3
25. प्राण, नवीन निश्चल, रेखा की 'ना सतरा से ऊपर' गीत वाली फिल्म-2
26. 'तुझे प्यार करते करते' गीत वाली अजय देवगन, जूही की फिल्म-4
27. अजय देवगन, रानी मुखर्जी की 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म-2,2

ऊपर से नीचे:-

1. संजीवकुमार, शबाना आजमी की फिल्म-3
2. देवआनंद, वहीदा रहमान की 'रंगीला रे तेरे रंग में' गीत वाली फिल्म-2,3
3. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफ ताब, लिसा रे की फिल्म-3
4. फिल्म 'रफूचक्कर' में ऋषिकपूर के साथ नायिका कौन थी?-2,2
5. फिल्म 'छैला बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी?-3
9. अमिताभ, रितिक, प्रीती जिंटा की 'अगर मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-2
12. 'तुम रूठ के मत जाना' गीत वाली भारतभूषण, मधुबाला की फिल्म-3
13. किशोर कुमार, चाँद उस्मानी की 'छोटा सा घर होगा' गीत वाली फिल्म-3
14. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, टिवंकल की फिल्म-2
15. फरदीनखान, उर्मिला की 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली आफताब, युक्ता मुखी की फिल्म-2
19. फिल्म 'काश आप हमारे होते' का नायक कौन है?-2
20. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की 'तुम सा नहीं देखा' गीत वाली फिल्म-3
21. 'ये लड़की जरा सी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-2,2
22. मिथुन चक्रवर्ती, ऋतुपर्णा की 'गोरे रंग का जमाना' गीत वाली फिल्म-4
23. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली- 2136

आ	ई	मि	ल	न	की	बे	ला		शा
गा		ल		र्गि		ना		मि	ली
ज	मी	न		स	न	म			मा
	ना		सु		गी		पिं	ज	र
ज		प	र	वा	न			ल्ला	
ग	द	र		स्त		दो	ब	द	न
ल		ख		व	ध		ल		व
	क		ना		न	ग	मा		रं
श	ह	जा	दा		वा			रं	ग
	र		न	या	न	शा		भा	

तापसी पन्नू ने की सोशल मीडिया पर फैशन की बात

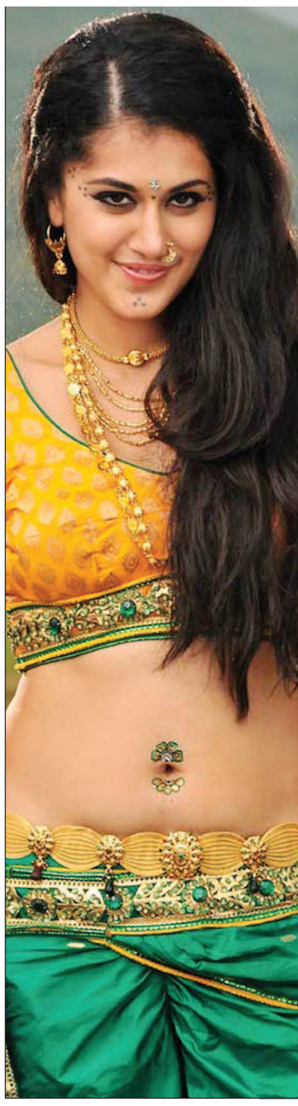

80 के दशक के एक प्रतिष्ठित किशोर कुमार गीत पर थिरकते हुए तापसी पन्नू ने देश के युवाओं को एक प्रेरणादायक संदेश दिया है, दुनिया को यह देखने दें कि आप कौन हैं। मैं हमेशा हर चीज पर आराम को प्राथमिकता देती हूं। मुझे सूती कपड़े पहनना पसंद है और ज्यादातर लेयर्ड लुक पहनना पसंद करते हैं। आप मुझे अक्सर वेस्टर्न आउटफिट में देखते होंगे लेकिन भारतीय साड़ी हमेशा मेरी सबसे पसंदीदा रहेगी, अपने समर फैशन स्टाइल के बारे में पन्नू कहती हैं, इसके अलावा, मुझे अपने सभी आउटफिट्स को स्टेटमेंट सनग्लासेस के साथ पेयर करना भी पसंद है, क्योंकि वे इसमें वह सब जैज जोड़ते हैं। अभिनेत्री अतिसूक्ष्मवाद के बारे में क्या महसूस करती है जो इस समय फैशन के रुझान की बात आती है। वह आगे कहती हैं, न्यूनतमवाद कम की अवधारणा के साथ प्रामाणिकता दिखाने के बारे में है, यह व्यक्ति के व्यक्तित्व को कम से कम चमकने देता है। वोग आईवियर के नए अभियान में यूथ आइकन की विशेषताएं युवाओं को अपने व्यक्तित्व को अपनाने के लिए प्रेरित करती हैं। यह मुख्य रूप से एक कारण है कि मैं इस एसोसिएशन और अभियान के बारे में बहुत उत्साहित हूं। मेरा मानना है कि वोग आईवियर चिक, फ्रेश और रेट्रो-ग्लैम स्टाइल का लेटेस्ट कलेक्शन हर आउटफिट के लिए उपयुक्त है। मेरा व्यक्तिगत पसंदीदा और नवीनतम संग्रह से एक मौसमी जरूरी है 90 के दशक की प्रेरित धातु धूप का चश्मा शैली एक आधुनिक मोड़ के साथ - वीओ4235एस। तापसी को यह भी लगता है, बढ़े हुए स्क्रीनटाइम के साथ, आईवियर एक आवश्यकता बन गई है, क्योंकि स्क्रीन का समय बढ़ गया है और आंखों की थकान और सिरदर्द आम हो गया है। इसलिए न केवल एक फैशन एक्सेसरी के मामले में बल्कि उपयोगिता के मामले में भी आईवियर महत्वपूर्ण है। यह ब्रांड के साथ उनके सहयोग का दूसरा वर्ष है, और उनके जुड़ाव का, उन्होंने खुलासा किया, मुझे वोग आईवियर के संग्रह की बहुमुखी प्रतिभा पसंद है, क्योंकि यह मूल रूप से मेरी व्यक्तिगत शैली में फिट बैठता है।

शाहरुख की तरह किंग की उपाधि नहीं चाहते कार्तिक

भूल भुलैया 2 की सफलता के साथ, कार्तिक आर्यन ने बॉलीवुड के दिग्गजों में अपना नाम दर्ज कराया है और अपने स्टारडम की ताकत साबित की है। जहां फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कर रही है, वहीं अभिनेता को बॉलीवुड के बादशाह सहित अपने प्रशंसकों से लगातार खिताब मिल रहे हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि उनके पास दूसरा आइडिया है। भूल भुलैया 2 की सफलता निश्चित रूप से कार्तिक के अभूतपूर्व प्रदर्शन का प्रतीक है जिसने उन्हें दर्शकों के दिल में एक विशेष स्थान बना दिया है। एक के बाद एक कई हिट फिल्में देने के बाद, युवा सुपरस्टार को अक्सर उनके प्रशंसकों द्वारा बॉलीवुड के बादशाह के रूप में संदर्भित किया जाता है या उन्हें रोम कॉम किंग, शाहरुख खान से तुलना की जाती है। हाल ही में एक साक्षात्कार में, जब आरजे ने कहा कि उनसे पहले केवल शाहरुख खान ने इस तरह के खिताब का आनंद लिया, तो कार्तिक ने खुलासा किया कि जब भी उन्हें ये खिताब मिलते हैं तो उन्हें अच्छा लगता है। लेकिन, मुझे नहीं लगता कि मैं किंग शब्द को स्वीकार करना चाहता हूं। मुझे अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है, इसलिए यह कहना जल्दबाजी होगी। मैं प्रिंस को लूंगा। मैं मजाक कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं बस खुश हूं पूरे प्यार के साथ जो पहले सोनू के टीटू की स्वीटी की सफलता के बाद या प्यार का पंचनामा के बाद और अब भूल भुलैया 2 के बाद आने लगा। कार्तिक आर्यन के लिए अगली पंक्ति में भूल भुलैया 2 बॉक्स ऑफिस पर धूम मचा रही है, शहजादा, कैप्टन इंडिया, फ्रेडी और साजिद नाडियाडवाला की नई फिल्म कार्तिक की आने वाली फिल्मों के शीर्षक हैं।

श्रिया पिलगांवकर ने फिल्म इश्क-ए-नादान की शूटिंग की खत्म

अभिनेत्री श्रिया पिलगांवकर ने अपनी आने वाली फिल्म इश्क-ए-नादान की शूटिंग पूरी कर ली है। अविषेक घोष द्वारा निर्देशित, यह फिल्म मुंबई में स्थापित एक दिल को छू लेने वाली रोमांटिक ड्रामा है। मुख्य भूमिका में श्रिया के साथ, फिल्म में मोहित रैना, लारा दत्ता, नीना गुप्ता, कुंवलजीत सिंह, सुहैल नैयर और मृणाल दत्त हैं। श्रिया कहती हैं, इश्क-ए-नादान एक खूबसूरत फिल्म है जो अलग-अलग रिश्तों की पड़ताल करती है और प्यार कैसे अलग-अलग रूप लेता है। मैंने नीना जी, सुहैल और मृणाल के साथ काम करके बहुत अच्छा समय बिताया। वेब शो गिल्टी माइंड्स की सफलता से खुश श्रिया ब्रोकन न्यूज के साथ तीन नए प्रोजेक्ट में नजर आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कोड एम जेनिफर विंगेट की ओटीटी शुरूआत

लोकप्रिय टीवी चेहरा जेनिफर विंगेट कोड एम के सीजन 2 में मेजर मोनिका मेहरा के रूप में वापस आ गई हैं। एकता आर कपूर की कोड एम जेनिफर की ओटीटी शुरूआत है। टीवी शो बेहद 2 में एक मनोरोगी माया की भूमिका निभाते हुए नजर आने वाली अभिनेत्री इस सीरीज में एक निडर और बहादुर मोनिका मेहरा के रूप में नजर आ रही हैं, जो भारतीय सेना के इर्द-गिर्द घूमती सीरीज की हीरो हैं। जेनिफर ने बताया कि, उन्हें अपनी भूमिका इतनी पसंद क्यों है और यह चुनौतीपूर्ण क्यों है। उन्होंने अपने फिटनेस मंत्र के बारे में भी बात की। जबकि कोड एम के सीजन 1 में भारतीय सेना की वकील मेजर मोनिका मेहरा, जो भारतीय सेना के अधिकारियों की हत्या से संबंधित मामलों की जांच कर रही हैं, को देखा गया, सीजन 2 उनके चरित्र का अधिक विस्तृत पक्ष लाएगा। जैसा कि उन्होंने बताया, हम सभी उसे देश के प्रति प्रतिबद्धता और प्यार को जानते हैं। लेकिन इस सीजन में आपको मोनिका का बचपन और कुछ यादें, कुछ ऐसे मौके भी देखने को मिलेंगे, जो उन्हें जिंदगी भर सताते रहे। और यह चलन में आ जाएगा, और हम इस बार मोनिका के जीवन पर एक अलग नजर डालेंगे। बेपनाह की अभिनेत्री ने आगे सह-अभिनेताओं तनुज विरवानी, रजत कपूर और स्वानंद किरकिरे के साथ अपने काम के अनुभव के बारे में बात की। यह सिर्फ एक शानदार अनुभव था। पहले सीजन में, मुझे रजत कपूर और तनुज के साथ काम करने का मौका मिला। मुझे मिस्टर कपूर से बहुत कुछ सीखने को मिला। उनके और तनुज के साथ काम करना अद्भुत था। आखिर में सीरीज में अपने चरित्र के लिए इतना प्यार और प्रशंसा प्राप्त करने के बाद, वह कहती है, मैं आभारी हूं क्योंकि सशस्त्र बलों से एक चरित्र को निभाने के लिए, बहुत सारी जिम्मेदारी है, और बहुत सारी उम्मीदें हैं। और ऐसा करने के लिए, और लोगों से उतना ही प्यार पाने में सक्षम होना जितना उन्होंने मुझे इन वर्षों में दिया है, बस बहुत उत्साहजनक है।

साईं पल्लवी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं करण जौहर

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता करण जौहर ने ट्विटर पर राणा दग्गुबाती और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म विरता पर्वम के हाल ही में रिलीज हुए नाटकीय ट्रेलर को साझा किया। उत्साहित बॉलीवुड फिल्म निर्माता ने घोषणा की कि वह अभिनेत्री साई पल्लवी के बहुत बड़े प्रशंसक हैं, क्योंकि उन्होंने अभिनेत्री का ट्रेलर साझा किया था। साई पल्लवी को उनकी पीढ़ी की सबसे कुशल अभिनेत्रियों में से एक मानी जाती है, और विरता पर्वम का ट्रेलर भूमिका में उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित करता है। विरता पर्व 17 जून को रिलीज होगी और इसका निर्देशन वेणु उदुगुला ने किया है। इस फिल्म में नवीन चंद्र, निवेथा पेथुराज, ईश्वरी राव, प्रियामणि और अन्य महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म का संगीत सुरेश बोब्बिली ने दिया है।

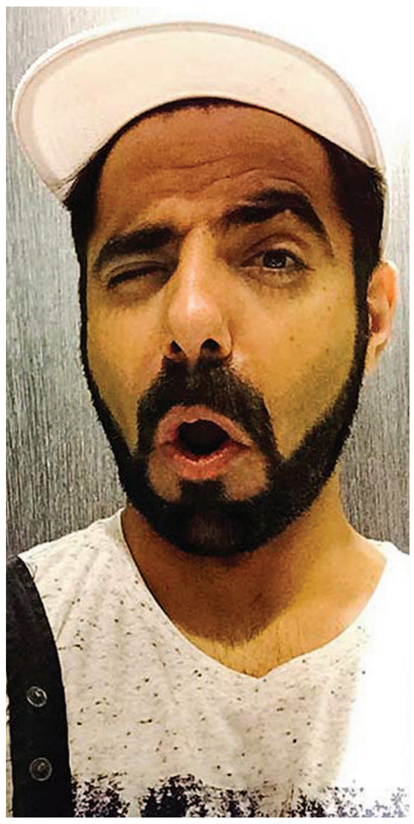

अपारशक्ति खुराना दो म्यूजिक वीडियो रिलीज करने के लिए तैयार

इस साल की शुरूआत में दो गाने बल्ले नी बल्ले और छोटी छोटी गल रिलीज करने वाले अभिनेता-गायक अपारशक्ति खुराना अब दो और म्यूजिक वीडियो रिलीज करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता कहते हैं, मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से, गाना और संगीत का आनंद लेना कुछ ऐसा है जो मुझे फिल्में बनाना और देखना पसंद है। मुझे अपने खाली समय के दौरान जाम करना पसंद है और जब भी मेरे पास समय होता है, मैं अपनी प्लेलिस्ट को नए संगीत के साथ अपडेट करना पसंद करता हूं। उन्होंने आगे कहा, ईमानदारी से इस तरह की विविध परियोजनाओं का हिस्सा बनना मेरे लिए एक आशीर्वाद है और मुझे मेरे जैसे कलाकार के लिए डिजिटल, फिल्में, मेरा संगीत, संगीत वीडियो सहित इस तरह के विभिन्न प्रारूपों को आगे बढ़ाने का मौका मिलता है, जो मनोरंजन करना पसंद करता है। मेरे पिछले दो ट्रैक जो दोनों एक-दूसरे से अलग थे, उन्हें इतना प्यार मिला है, और अब मैं पहले से ही दो और ट्रैक के साथ तैयार हूं जो जल्द ही आने वाले हैं। मैं सभी को एक संगीत वर्ष देने के लिए इन रिलीज की प्रतीक्षा कर रहा हूं। अपारशक्ति अगली बार धोखा- अराउंड डी कॉर्नर में खुशाली कुमार के साथ दिखाई देंगे। इसके बाद स्पाई थ्रिलर बर्लिन और विक्रमादित्य मोटवानी की पीरियड ड्रामा अमेजन ओरिजिनल सीरीज जुबली है।

केके और सिद्धू मूसेवाला को खोने से दुखी हूं, इस साल अपना बर्थडे नहीं मनाऊंगा- मीका सिंह

पिछले दिनों मशहूर पंजाबी सिंगर सिद्धू मूसेवाला और बॉलीवुड सिंगर केके की मौत ने सबको हिलाकर रख दिया। दोनों सितारों के निधन से म्यूजिक इंडस्ट्री को बड़ी क्षति हुई है। इसी बीच सिद्धू मूसेवाला और केके के निधन से आहत गायक और रैपर मीका सिंह ने बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने कहा है कि इस बार वह अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। मीका सिंह हर साल 10 जून को अपना बर्थडे सेलिब्रेट करते हैं, लेकिन इस बार वह सिद्धू और केके को खोने से दुखी हैं। इसे लेकर हाल ही में उन्होंने कहा कि जब परिवार का कोई सदस्य हमसे दूर चला जाए तो हमें कोई खुशियां नहीं मनानी चाहिए। मीका सिंह ने आगे कहा, केके के आकस्मिक निधन से मैं काफी दुखी हूं। साथ ही मेरे छोटे भाई सिद्धू मूसेवाला की अज्ञात लोगों ने हत्या कर दी, इस वजह से मैं और भी ज्यादा दुखी हूं। इसी कारण मैंने इस साल अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला किया है। तो इस तरह मीका इस बार अपना बर्थडे नहीं मनाकर केके और मूसेवाला को श्रद्धांजलि देंगे। बता दें, मशहूर गायक केके (कृष्णकुमार कुन्नथ) का 31 मई को कोलकाता में एक कॉन्सर्ट के बाद निधन हो गया था। कॉन्सर्ट के बाद केके की अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया था। वहीं, 29 मई को पंजाबी गायक सिद्धू मूसेवाला की अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

सोने, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली । दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी में गिरावट आई। सोना 58 रुपये की गिरावट के साथ ही 50,793 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया जबकि पिछले कारोबारी सत्र में सोना 50,851 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वहीं इसी प्रकार चांदी की कीमत भी 601 रुपये गिरकर 60,914 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 61,515 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना मामूली गिरावट के साथ ही 1,846 डॉलर प्रति औंस पर आ गया जबकि चांदी का भाव 21.69 डॉलर प्रति औंस पर बना रहा।

सीईओ डेलापोर्टे भारतीय आईटी कंपनियों में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारी

मुंबई । प्रसिद्ध भारतीय आईटी कंपनी विप्रो के सीईओ थिएरी डेलापोर्टे भारतीय आईटी कंपनियों में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले कर्मचारी हैं। 31 मार्च, 2022 को खत्म हुए वित्तीय वर्ष में उन्हें 79.80 करोड़ रुपये (10.51 मिलियन डॉलर) सैलरी के रूप में मिले हैं। रिपोर्ट में विप्रो ने इसकी जानकारी दी है। विप्रो सीईओ को मिलने वाला वेतन टाटा कंसले टेंसी सर्विस और इंफोसिस के मुखे य कार्यकारी अधिकारियों को मिलने वाले वेतन से काफी ज्े यादा है। डेलापोर्टे को विप्रो ने वित्त वर्ष 2020-21 में 64.3 करोड़ रुपये का सैलरी पैकेज लिया था। इतनी सैलरी उन्हें 9 महीनों के लिए दी गई थी, के योंकि डेलापोर्टे ने जुलाई 2020 में ही कंपनी जॉइन की थी। डेलापोर्टे को आईटी सेके टर का 27 साल का अनुभव है। विप्रो के सीईओ के पैकेज में 13.2 करोड़ रुपये की सैलरी और भत्ता शामिल है। कमीशन और वेरिएबल के रूप में कंपनी ने उन्हें 19.3 करोड़ रुपये प्रदान किए।31.8 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि उन्हें अन्य लाभों के रूप में मिली। 15.50 करोड़ रुपये डेलापोर्टे को लॉन्ग टर्म कम्पेंसेशन के अंतर्गत दिए गए। वहीं विप्रो ने चेयरमैन रिशद प्रेमजी को वित्त वर्ष 2022 में 1.82 मिलियन डॉलर रुपये वेतन के रूप दिए। सैलरी के मामले में डेलापोर्टे भारत की दूसरी दिग्गज आईटी कंपनियों इंफोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के सीईओ से आगे हैं।

फिच ने भारत के रेटिंग परिदृश्य संशोधित कर नकारात्मक से स्थिर किया

नई दिल्ली । फिच रेटिंग्स ने शुक्रवार को कहा कि उसने भारत की सॉवरेन रेटिंग के परिदृश्य को नकारात्मक से स्थिर कर दिया है, क्योंकि तेजी से आर्थिक सुधार के कारण मध्यम अवधि के दौरान वृद्धि में गिरावट का जोखिम कम हो गया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि परिदृश्य में संशोधन हमारे इस विचार को दर्शाता है कि वैश्विक जिंस कीमतों में तेजी के झटकों के बावजूद भारत में आर्थिक सुधार और वित्तीय क्षेत्र की कमजोरियों में कमी के कारण मध्यम अवधि के दौरान वृद्धि में गिरावट का जोखिम कम हो गया है। हालांकि, फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के लिए आर्थिक वृद्धि के अनुमान को घटाकर 7.8 प्रतिशत कर दिया है, जिसके पहले 8.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई गई थी। वैश्विक जिंस कीमतों में तेजी के कारण महंगाई बढ़ने के चलते यह कटौती की गई।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

मुम्बई शेयर बाजार में शुक्रवार को भारी गिरावट रही। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही आईटी, वित्त, बैंक और ऊर्जा कंपनियों के शेयरों में नुकसान के कारण आई है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,016.84 अंक करीब 1.84 फीसदी नीचे आकर 54,303.44 अंक पर खिसक गया।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 276.30 अंक तकरीबन 1.68 फीसदी नीचे आकर 16,201.80 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में कोटक बैंक के शेयर में सबसे ज्यादा चार फीसदी की कमी आई है। इसके अलावा बजाज फाइनेंस, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लिमिटेड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, विप्रो, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा स्टील और टीसीएस के शेयर भी गिरे हैं।

वहीं दूसरी ओर एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, डॉ रेड्डीज, टाइटन और इंडसइंड बैंक के शेयर लाभ में रहे। इसके अलावा, बीएसई के मिडकैप, लार्जकैप और स्मॉलकैप सूचकांक में 1.72 फीसदी की जबरदस्त गिरावट आई। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट बढ़त के साथ बंद हुआ। इससे पहले गत दिवस बाजार लाभ के साथ बंद हुआ था।

रुपया बड़ी गिरावट के साथ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया गिरा है। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपये में 11 पैसे की बड़ी गिरावट आई और यह 77.85 (अस्थायी) प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया। रुपये में ये गिरावट विदेशों में डॉलर के मजबूत होने से निवेशकों की कारोबारी धारणा प्रभावित होने से आई है। इसके अलावा विदेशी पूंजी की बाजार से सतत निकासी से भी ये प्रभावित हुआ है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में डॉलर के मुकाबले रुपया 77.81 पर खुला और दिन भर के कारोबार के बाद यह 77.79 के उच्च स्तर और 77.87 के निचले स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के अंत में रुपया अपने पिछले बंद भाव 77.74 रुपये के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट के साथ 77.85 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो अबतक का सबसे निचला स्तर है।

एचडीएफसी और आईओबी ने कर्ज पर ब्याज दरें बढ़ाईं

नई दिल्ली । आवास ऋण देने वाली देश की सबसे बड़ी वित्तीय कंपनी एचडीएफसी लिमिटेड ने खुदरा प्रधान ऋण दर आधा प्रतिशत बढ़ा दी। वहीं सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने भी रेपो दर आधारित ब्याज दर बढ़ाई है।भारतीय रिजर्व बैंक के बुधवार को रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि के बाद वित्तीय संस्थानों ने ब्याज दरों में बढ़ोतरी का सिलसिला शुरू किया है। एचडीएफसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि आवास ऋण के लिए खुदरा प्रधान उधारी दर 0.50 प्रतिशत बढ़ाई गई है। यह वृद्धि 10 जून, 2022 से प्रभावी हो गई है। आईओबी ने भी रेपो आधारित ब्याज दर 0.50 प्रतिशत बढ़ा दी है। इंडियन ओवरसीज बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा है कि बैंक ने रेपो आधारित उधारी दर (आरएलएलआर) बढ़ाकर 7.75 प्रतिशत कर दी है। यह वृद्धि 10 जून, 2022 से प्रभावी हो गई है। इससे पहले बुधवार को सार्वजनिक क्षेत्र के तीन बैंकों पंजाब नेशनल बैंक, इंडियन बैंक और बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने रेपो आधारित ब्याज दर आधा प्रतिशत बढ़ा दी थी।

सरकार अब रेफ्रिजरेटर आयात पर भी लगाएगी प्रतिबंध

नई दिल्ली ।

देश में फ्रिज के निर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एसी के बाद सरकार अब रेफ्रिजरेटर के आयात पर भी प्रे तिबंध लगाने पर विचार कर रही है। देश में फ्रिज का बाजार पांच अरब डॉलर का है। लेकिन, सैमसंग और एलजी जैसी विदेशी कंपनियां बड़ी संख्या में रेफ्रिजरेटर का आयात करती हैं। जानकारों के मुताबिक सरकार फ्रिज का आयात करने के लिए लाइसेंस लेना जरुरी कर सकती है। फिलहाल कंपनियां फ्री-इंपोर्ट व्यवस्था के तहत रेफ्रिजरेटर आयात करती हैं। लेकिन सरकार अब इस व्यवस्था को बदलने पर विचार कर रही है। जल्द ही इस पर फैसला लिया जा सकता है। इससे टाटा ग्रुप और गोदरेज जैसी कंपनियों को फायदा होगा। सूत्रों के मुताबिक घरेलू रेफ्रिजरेटर इंडस्ट्री ने देश में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार से इसके आयात पर प्रे तिबंध लगाने का आग्रह किया है। अगर रेफ्रिजरेटर को प्रतिबंधित सूची में डाल दिया जाता है, तो आयातकों को इसके आयात के लिए सरकार से अनुमति या लाइसेंस प्राप्त करना होगा। देश के रेफ्रिजरेटर बाजार में अभी एलजी और सैमसंग जैसी विदेशी कंपनियों का दबदबा बरकरार है। भारत में सालाना 24 मिलियन रेफ्रिजरेटर बनाने की क्षमता है। लेकिन देश में मांग केवल 15 मिलियन है।

कंपनियां बड़ी संख्या में आयात करके इस मांग को पूरा करती हैं। सरकार आयात किए जाने वाले रेफ्रिजरेटर के आंकड़े जारी नहीं करती है। सूत्रों के मुताबिक देश में महंगे रेफ्रिजरेटर्स की मांग बढ़ रही है। कोरोना काल के दौरान लॉकडाउन की पाबंदियों के कारण लोगों घरों में ही रहे जिस कारण ऐसे रेफ्रिजरेटर्स की बिक्री में उछाल आई।

देश में रेफ्रिजरेटर की कुल बिक्री में आयात का हिस्सा पांच से छह फीसदी है। सरकार का कहना है कि रेफ्रिजरेटर के आयात पर प्रतिबंध लगाने से मोदी सरकार के मेक इन इंडिया मिशन को बूस्ट मिलेगा।

लोन देने वाले डिजिटल प्लेटफार्म्स के लिए आएगा सख्त नियम: आरबीआई गवर्नर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक जल्द ही डिजिटल लोन प्लेटफार्म के लिए नियम लेकर आएगा। गौरतलब है कि इन प्लेटफार्म में कई अनधिकृत एप हैं। डिजिटल लोन एप के कुछ आपरेटरों द्वारा कर्ज लेने वालों के उत्पीड़न के चलते उनके बीच कथित रूप से आत्महत्या के मामले बढ़ रहे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव के हिस्से के तौर पर वित्त मंत्रालय द्वारा आयोजित आइकनिक वीक को संबोधित करते हुए दास ने कहा कि उन्हें लगता है कि बहुत जल्द वे एक व्यापक नियामकीय ढांचे के साथ सामने आएंगे। ये नियम डिजिटल प्लेटफार्म के जरिये कर्ज देने के संबंध में आने वाली चुनौतियों से निपटने में सक्षम होगा। भारतीय कारोबार-अतीत, वर्तमान और भविष्य विषय पर बोलते हुए दास ने कहा कि इन प्लेटफार्म में कई अनधिकृत और बिना पंजीकरण के चल रहे हैं और ये अवैध हैं। इससे पहले दास ने बुधवार को कहा था कि बिना पंजीकरण के डिजिटल प्लेटफार्म देने वाले एप से कर्ज लेने वाले ग्राहकों को अगर किसी भी तरह की दिक्कत होती है तो वे स्थानीय पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने साफ किया था कि केंद्रीय बैंक केवल उसके यहां पंजीकृत संस्थाओं के खिलाफ कार्रवाई करेगा। गवर्नर ने कहा कि आरबीआइ की वेबसाइट पर उन एप की एक सूची है जो उसके साथ पंजीकृत हैं। उन्होंने कहा कि कई राज्यों में पुलिस ने नियमों के अनुसार गलत काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है।

एसजेवीएन के साथ एक संयुक्त उद्यम लगाएगी असम सरकार

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की एसजेवीएन ने कहा कि असम सरकार राज्य में नवीकरणीय परियोजनाओं के लिए उसके साथ एक संयुक्त उद्यम स्थापित करने को लेकर तैयार है। कंपनी ने कहा कि असम सरकार ने राज्य में चरणबद्ध तरीके से 5,000 मेगावॉट की बिजली परियोजना की संभावनाओं को तलाशने का अवसर भी दिया है। इस संबंध में एसजेवीएन के निदेशक (वित्त) अखिलेश्वर सिंह और कंपनी के मुख्य महाप्रबंधक राजेश गुप्ता ने गुवाहाटी में असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा से मुलाकात की। इस बैठक में असम के मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव समीर कुमार सिन्हा और बिजली विभाग के प्रमुख सचिव नीरज वर्मा भी शामिल थे। कंपनी ने कहा कि बैठक के दौरान सौर परियोजना, फ्लोटिंग सोलर, बैटरी भंडारण और पायलट हाइड्रोजन संयंत्र के विकास पर विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने जल और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास के लिए एसजेवीएन के साथ एक संयुक्त उद्यम के गठन में अपनी रुचि के बारे में भी बताया।

इक्विटी म्यूचुअल फंड को मई में 18,529 करोड़ का निवेश मिला

नई दिल्ली ।

सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के प्रति निवेशकों का आकर्षण लगातार बढ़ रहा है जिसके चलते इक्विटी म्यूचुअल फंड में लगातार निवेश आ रहा है। उद्योग निकाय एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) ने कहा कि मई का यह आंकड़ा अप्रैल में इक्विटी म्यूचुअल फंड में हुए 15,890 करोड़ रुपए के निवेश की तुलना में अधिक है। इक्विटी यानी शेयर में निवेश से जुड़ी योजनाओं में निवेश मार्च, 2021 से ही बढ़ रहा है। यह निवेशकों के बीच ऐसी योजनाओं को लेकर सकारात्मक धारणा को दर्शाता है। इससे पहले इन योजनाओं से जुलाई, 2020 से लेकर फरवरी, 2021 के दौरान लगातार 46,791 करोड़ रुपए की राशि निकाली गई थी। वहीं एसआईपी के जरिये निवेश मई, 2022 में बढ़कर 12,286 करोड़ रुपए पर पंहुच गया, जो अप्रैल में 11,863 करोड़ रुपए था। सितंबर, 2021 में 10,351 करोड़ रुपए के निवेश के बाद यह लगातार नौवां महीना है जब एसआईपी में निवेश का प्रवाह 10,000 करोड़ रुपए से अधिक रहा है। इक्विटी के अलावा गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड कोष (ईटीएफ) में आलोच्य माह के दौरान 203 करोड़ रुपए का निवेश आया। वही दूसरी तरफ, ऋण या बांड श्रेणी में पिछले महीने 32,722 करोड़ रुपए की निकासी हुई। हालांकि अप्रैल में इसमें 69,883 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था। कुल मिलाकर म्यूचुअल फंड उद्योग में मई माह के दौरान 7,532 करोड़ रुपए की निकासी हुई, जबकि इससे पिछले महीने 72,846 करोड़ रुपए का निवेश हुआ था।

फॉक्सवैगन ने मध्यम आकार की सेडान वर्टस उतारी

नई दिल्ली । जर्मनी की वाहन कंपनी फॉक्सवैगन इंडिया ने भारतीय बाजार में अपनी मध्यम आकार की सेडान कार वर्टस को उतारा है। इसकी शुरुआती शोरूम कीमत 11.21 लाख रुपए है। कंपनी की सेडान श्रृंखला की नई मध्यम आकार की कार घरेलू बाजार में होंडा सिटी, मारुति सियाज, हुंदै वरना और स्कोडा स्लाविया को टक्कर देगी। यह कार कंपनी के एमक्यूबी ए0 इन मंच पर आधारित है। 'वर्टस' को पुणे के चाकण संयंत्र में बनाया गया है। समूह की भारत 2.0 परियोजना के तहत वर्टस दूसरा उत्पाद है। यह गाड़ी एक लीटर और 1.5 लीटर टीएसआई पेट्रोल पावरट्रेन में उपलब्ध होगी। एक-लीटर वाले ट्रिम की शोरूम कीमत 11.21 लाख रुपए से 15.71 लाख रुपए के बीच है। जबकि एकल 1.5-लीटर संस्करण की कीमत 17.91 लाख रुपए है।

विप्रो के सीईओ देश के आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले एग्जीक्यूटिव

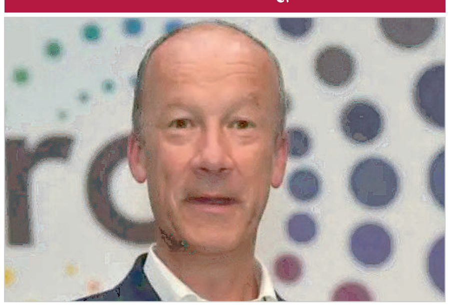

बेंगलूरु ।

विप्रो के सीईओ थेरी डेलपोर्ट देश के आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले एग्जीक्यूटिव हैं। 31 मार्च, 2022 को समाप्त वित्त वर्ष में उन्हें 79.8 करोड़ रुपए का पैकेज मिला। विप्रो ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन के पास फाइल सालाना रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। इससे पहले वित्त वर्ष 2020-21 में उन्हें 64.3 करोड़ रुपए का सालाना पैकेज मिला था। उन्हें नौ महीने के लिए यह पैकेज मिला था क्योंकि वह जुलाई, 2020 में विप्रो से जुड़े थे। डेलपोर्ट को वित्त वर्ष 2022 में वेतन और अलाउंसेज के रूप में 13.2 करोड़ रुपए, कमीशन और वेरिएबल पे के रूप में 19.3 करोड़ रुपए और दूसरे भत्तों के रूप में 31.8 करोड़ रुपए मिले। बाकी राशि लॉन्ग टर्म कंपनसेशन या डेफर्ड बेनिफिट्स के रूप में थी। उनके पैकेज में वन टाइम कैश अवॉर्ड जैसे कंपोनेंट्स भी शामिल थे। पेरिस में रहने वाले डेलपोर्ट जुलाई 2020 में विप्रो से जुड़े थे और सीधे कंपनी के चेयरमैन रिशद प्रेमजी को रिपोर्ट करते हैं। उससे पहले वह कैपजेमिनी ग्रुप के सीईओ थे। डेलपोर्ट देश के आईटी सेक्टर में सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले एग्जीक्यूटिव हैं। इन्फोसिस के सीईओ को वित्त वर्ष 2022 में 71 करोड़ रुपए का पैकेज मिला था जो पिछले वित्त वर्ष से 43 फीसदी अधिक था। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस के सीईओ राजेश गोपीनाथन को इस दौरान 25.77 करोड़ रुपए मिले जो पिछले वित्त वर्ष से 27 फीसदी अधिक हैं।

RBI के नीतिगत दरों में वृद्धि करने से महंगाई पर नहीं पाया जा सकता काबू, घरेलू खर्चों का प्रबंधन करना हुआ मुश्किल- सर्वे

(एजेंसी)

मार्च 2020 में पहली बार लॉकडाउन की घोषणा के बाद से वैश्विक स्तर पर तेल की कीमतों में तेजी और आपूर्ति श्रृंखला में बाधा अधिकांश भारतीयों के लिए चिंता का विषय रही है। तब से आईएएनएस-सी वोटर ट्रैकर डाटा ने लगातार दिखाया है कि अधिकांश भारतीयों को लगता है कि आय कम हो गई है या स्थिर हो गई है जबकि खर्च बढ़ गया है। शायद इस उपभोक्ता धारणा को बढ़ावा देने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बढ़ती मुद्रास्फीति के बावजूद लगभग दो वर्षों तक ब्याज दरें बढ़ाने से परहेज किया। हालाँकि, जब खुदरा मुद्रास्फीति सात प्रतिशत पर पहुंच गई तो, आरबीआई ने मई 2022 में रेपो दर में 40 आधार अंकों की वृद्धि की। इसके बाद अभी कुछ दिनों पहले भी आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की द्विमासिक बैठक में रेपो दर में 50 आधार अंक बढ़ाये जाने का फैसला लिया गया। मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने के लिए केंद्रीय बैंक रेपो दर को एक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, आईएएनएस की ओर से सी वोटर द्वारा किये गये एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण से पता चलता है कि अधिकांश भारतीयों यानी 51 प्रतिशत से अधिक की राय में आरबीआई द्वारा रेपो दर में की गई बढ़ोतरी मुद्रास्फीति को कम करने में विफल होगी। वास्तव में आरबीआई ने खुद भी माना है कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 में खुदरा महंगाई दर 7 प्रतिशत के करीब रहेगी। आरबीआई की निर्धारित सीमा (टॉलरेंस लेवल) छह प्रतिशत है और मुद्रास्फीति दर के इसके पार जाने के बाद केंद्रीय बैंक उसे कम करने के उपाय करता है। कम शिक्षा प्राप्त करने वाले लोगों की श्रेणी के 45 फीसदी प्रतिभागियों तथा उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले श्रेणी के 59 प्रतिशत प्रतिभागियों को यह मानना है कि आरबीआई महंगाई पर लगाम नहीं लगा पाएगी। अनुसूचित जनजाति के केवल 25 प्रतिशत प्रतिभागियों को भरोसा है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाया जा सकता है। मई 2022 में किये गये एक राष्ट्रव्यापी सी वोटर सर्वेक्षण से पता चला था कि हर 4 में से 3 भारतीयों को महंगाई के कारण घरेलू खचरें का प्रबंधन करना मुश्किल हो रहा है।

राष्ट्रमंडल खेलों से पहले अच्छी लय हासिल करने की कोशिश करेंगी पुरुष और महिला हॉकी टीम

एंटवर्प (बेल्जियम) (एजेंसी)।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम शनिवार को यहां जब बेल्जियम के खिलाफ अपने एफआईएच प्रो लीग अभियान को फिर से शुरू करने के लिये उतरेंगी तो उनका लक्ष्य राष्ट्रमंडल खेलों से पहली अच्छी लय हासिल करना होगा। भारतीय पुरुष टीम को जहां मेजबान बेल्जियम (11 और 12 जून) और उसके बाद नीदरलैंड के खिलाफ खेल (18 और 19 जून को रॉटरडैम में) से मैच खेलने हैं वहीं महिला टीम बेल्जियम (11 और 12 जून), अर्जेंटीना (18 और 19 जून) और अमेरिका (21 और 22 जून) से भिड़ेगी।

भारतीय महिला टीम के लिए ये मैच एक से 17 जुलाई तक स्पेन और नीदरलैंड में होने वाले महिला विश्व कप से पहले अधिक महत्व रखते हैं। एफआईएच प्रो लीग में भारतीय पुरुष टीम अभी 12 मैचों में 27 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वह बेल्जियम से एक पायदान ऊपर है जिसके भारत के समान अंक हैं लेकिन गोल अंतर में उससे पीछे है। भारत को इन मैचों से फिर से शीर्ष पर पहुंचने का मौका मिलेगा। नीदरलैंड अभी 10 मैचों में 28 अंकों के साथ शीर्ष पर काबिज है। ये मैच दोनों भारतीय टीम के लिये प्रो लीग में छाप छोड़ने के अलावा 28 जुलाई से आठ अगस्त तक होने वाले बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों के लिये अच्छी लय हासिल करने की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं।

पुरुष और महिला हॉकी के मुख्य कोच क्रमशः ग्राहम रीड और जेनेका शोपमैन दोनों ने पहले ही कहा था कि वे यूरोपीय चरण के इन मैचों को अपनी टीमों रणनीतिक रूप से मजबूत करने के रूप में देख रहे हैं। भारत ने यूरोप इस दौरे के लिये अमित रोहिदास के नेतृत्व में 20 सदस्यीय पुरुष टीम को मैदान में उतारा है। टीम की रक्षापंक्ति में अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश और युवा सूरज करकेरा के साथ डिफेंडर सुरेंद्र कुमार, हरमनप्रीत सिंह, वरुण कुमार, अमित रोहिदास, जुगराज सिंह और जरमनप्रीत सिंह शामिल हैं।

मध्य पंक्ति में टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता कप्तान मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, शमशेर सिंह, विवेक सागर प्रसाद, आकाशदीप सिंह और नीलकंठ शर्मा हैं, जबकि अग्रिम पंक्ति की जिम्मेदारी गुरजंत सिंह, मनदीप सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, ललित कुमार उपाध्याय और अभिषेक पर होगी।

महिला वर्ग में 24 सदस्यीय टीम का चयन किया गया है जिसका नेतृत्व गोलकीपर सविता करेंगी, जबकि डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का उप कप्तान की जिम्मेदारी निभाएगी। टीम में बिचु देवी खरीबाम, इशिका चौधरी, अक्षता अबसो ढेकाले, बलजीत कौर, संगीता कुमारी और दीपिका जैसी जूनियर विश्व कप की स्टार भी शामिल हैं। अनुभवी स्ट्राइकर रानी रामपाल तोक्यो ओलंपिक के बाद वापसी के लिये तैयार हैं। हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण वह मैदान से बाहर थीं।

महिला टीम की रक्षापंक्ति में गुरजीत कौर, निक्की प्रधान और उदिता भी होंगी। निशा, सुशीला चानू पुखरामबम, मोनिका, नेहा, ज्योति, नवजोत कौर, सोनिका, सलीमा टेटे और बलजीत कौर मध्य पंक्ति का जिम्मा संभालेंगी, जबकि अग्रिम पंक्ति में वंदना कटारिया लालरेम्सियामी, नवनीत कौर, शर्मिला देवी, संगीता कुमारी, दीपिका और रानी शामिल हैं।

इंडोनेशिया मास्टर्स सेमीफाइनल से चूके लक्ष्य सेन, चाउ तिएन चेन से हारे

जकार्ता (एजेंसी)।

विश्व चैम्पियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन शुक्रवार को चीनी ताइपे के चाउ तिएन चेन से हारकर इंडोनेशिया मास्टर्स से बाहर हो गए। भारत को थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली टीम का हिस्सा रहे 20 वर्षीय लक्ष्य को यहां इस्तोरा सेनायन में क्वार्टर फाइनल में चाउ के खिलाफ 16-21, 21-12, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह चाउ की लक्ष्य पर लगातार दूसरी जीत थी।

पिछले महीने थॉमस कप में दोनों खिलाड़ी आमने-सामने आए थे जहां लक्ष्य को 19-21, 21-13, 17-21 से हार मिली थी। मैच के पहले गेम में एक करीबी मुकाबला देखने को मिला, लेकिन चाउ ने लगातार तीन अंक हासिल कर 11-8 की बढ़त बनाई। लक्ष्य ने बराबरी करने की कोशिश की, लेकिन उनकी कुछ गलतियों से चाउ को मुफ्त अंक मिले, जिन्होंने तीन अंकों की बढ़त बनाए रखी। ताइपे शटलर ने चार गेम-पॉइंट तक पहुंच कर गेम को 21-16 पर समाप्त किया और मैच में 1-0 की बढ़त हासिल की। लक्ष्य ने दूसरे गेम में नियंत्रण हासिल करते हुए ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बना ली। ब्रेक के बाद चाउ ने अपने उच्च तीव्रता वाले शॉट्स के साथ जवाबी कारर्वाई की, लेकिन लक्ष्य ने छह अंकों की बढ़त को कम नहीं होने दिया। भारतीय ने ताइपे के शटलर पर दबाव बनाये रखा और दूसरे गेम को आसानी के साथ 21-12 से जीत लिया। चाउ ने निर्णायक मुकाबले में हमलावर होते हुए तेजी से 7-3 की बढ़त बना ली। वह लक्ष्य पर मनोवैज्ञानिक दबाव डालने में सफल रहे और मध्य-खेल के ब्रेक तक छह अंकों के लाभ के साथ 11-5 पर पहुंच गए।

दूसरे हाफ़ में लक्ष्य ने स्कोर बोर्ड पर अंतर को कम करने के लिए लगातार तीन अंक प्राप्त किए लेकिन चाउ ने आक्रामक खेल जारी रखते हुए बढ़त को 15-8 कर लिया। लक्ष्य ने मैच को गहराई तक ले जाते हुए निरंतर पॉइंट हासिल किए जिसमें एक चमत्कारी बचाव भी शामिल था। उन्होंने दो मैच अंक बचाए लेकिन यह उनको सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल तक नहीं पहुंचा सके और चाउ ने निर्णायक मुकाबला 21-14 से जीत लिया।

मिलर सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड के मामले में दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिवीलियर्स से आगे निकल गये हैं। इसी के साथ ही वह टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी बने हैं। इस मामले में उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के ही पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज एबी डिवीलियर्स को भी पीछे छोड़ दिया है। भारत के खिलाफ पहले ही टी20 मैच में मिलर को शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला था। मिलर ने इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 31 गेंदों पर 64 रन की पारी खेली। वह दक्षिण अफ्रीका के पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने देश की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में सबसे ज्यादा 8 बार यह प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता है। इसे पहले डिवीलियर्स ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 7 बार यह अवॉर्ड जीता था। यह दक्षिण अफ्रीका पुरुष क्रिकेट टीम का टी-20 में लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 202 रन का लक्ष्य हासिल किया था जबकि 2015 में दक्षिण अफ्रीका ने भारत के विरुद्ध 200 रन का टारगेट सफलता पूर्वक हासिल किया।

211 रन बनाकर भी हारी टीम इंडिया, पहले टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की जबरदस्त जीत

हार्दिक पांड्या ने आखिरी गेंद पर फिनिशर दिनेश कार्तिक को नहीं दी स्ट्राइक, सोशल मीडिया पर भड़के क्रिकेटप्रेमी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में भारत को करारा झटका लगा है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा रन बनाने के बावजूद भारतीय टीम ने मुकाबला गंवा दिया। साउथ अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। ऐसे में भारतीय टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 211 रनों का विशाल स्कोर बनाया। इसके बावजूद मुकाबला हार गए। लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा भारतीय टीम की हार की नहीं बल्कि दिनेश कार्तिक को स्ट्राइक नहीं देने को लेकर हो रही है।

कार्तिक को नहीं दी स्ट्राइक

साउथ अफ्रीका के खिलाफ आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या और दिनेश कार्तिक बल्लेबाजी कर रहे थे। ऐसे में पांचवी गेंद पर हार्दिक पांड्या ने बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन गेंद को चौके, छक्के में तब्दील नहीं कर पाए और न ही रन स्ट्राइक दिनेश कार्तिक को दी। जिसको लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हार्दिक पांड्या की जमकर आलोचना हो रही है। जबकि दिनेश कार्तिक को इसमें जरा भी समस्या नहीं था कि हार्दिक पांड्या ने स्ट्राइक अपने पास क्यों रखी।

हार्दिक पांड्या ने आखिरी गेंद पर बड़ा शॉट लगाने का प्रयास किया लेकिन सिर्फ 2 रन ही मिल पाए। टीवी रिप्ले में दिखाई दिया कि हार्दिक पांड्या ने जब स्ट्राइक अपने पास रखी तो दिनेश कार्तिक ने उन्हें खेलने को लिए कहा और उन्हें हार्दिक पांड्या के इस निर्णय से कोई तकलीफ नहीं हुई।

सोशल मीडिया पर भड़के क्रिकेटप्रेमी

ट्रोलर्स ने तीन साल बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक को स्ट्राइक नहीं दिए जाने को लेकर हार्दिक पांड्या की आलोचना की। इतना ही नहीं हार्दिक पांड्या को सीनियर खिलाड़ी की रिस्पेक्ट करने तक की नसीहत दे डाली। एक यूजर ने ट्वीट किया कि हार्दिक पांड्या ने स्ट्राइक नहीं देकर बुरा व्यवहार किया। वह सीनियर खिलाड़ी की रिस्पेक्ट करना नहीं जानते हैं।

दूसरे टी-20 मैच की टिकटों के लिए हंगामा

कटक । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच यहां रविवार को यहां होने वाले दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के लिए टिकटों की भारी मांग रही जिससे कतार में खड़े लोगों ने हंगामा मचा दिया। इस दौरान स्टेडियम में अफरातफरी मच गई और क्रिकेट प्रेमियों पर नियंत्रण के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग भी करना पड़ा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने भी माना है कि कुछ दिक्कतें आयीं पर उसे पुलिस ने संभाल लिया।

खेलो इंडिया: हरियाणा स्वर्ण पदक की दौड़ में सबसे आगे

पंचकुला। हरियाणा ने गुरुवार को यहां खेलो इंडिया युवा खेलों की भारोत्तोलन और निशानेबाजी स्पर्धा में एक एक स्वर्ण पदक जीतकर अपनी बढ़त कायम रखी। हरियाणा के 33 स्वर्ण, 27 रजत और 36 कांस्य पदक हैं जिससे वह पहले स्थान पर चल रहा है। गत चैम्पियन महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर है, उसने एथलेटिक्स में तीन और तैराकी में दो स्वर्ण पदक जीते। इससे उसके 31 स्वर्ण, 28 रजत और 23 कांस्य पदक हो गये हैं। हालांकि दिन महाराष्ट्र के धावकों के नाम रहा जिन्होंने दाव पर लगे चार में से तीन स्वर्ण पदक अपने नाम किये। इससे ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में उसके आठ स्वर्ण, तीन रजत और एक कांस्य पदक हो गये हैं। सुदेशना शिवांकर ने बालिका 200 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगायी, इससे पहले वह 100 मीटर और फिर चार गुणा 100 मीटर रिले में पहला स्थान हासिल कर चुकी हैं। राज्य के अर्जुन वास्काले ने अपना दूसरा स्वर्ण लड़कों की 3000 मीटर स्पर्धा में हासिल किया। तमिलनाडु के प्रदीप सेंथिलकुमार ने 800 मीटर स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। तैराकी में आन्या वाला और अपेक्षा फर्नांडीज ने क्रमशः 400 मीटर फ्रीस्टाइल और 100 मीटर बटरफ्लाई स्पर्धा में पहले स्थान हासिल किये। पंजाब लड़कों के हॉकी फाइनल में उत्तर प्रदेश से भिड़ेगा। पंजाब ने सेमीफाइनल में झारखंड को 3-0 से जबकि उत्तर प्रदेश ने ओडिशा को 3-2 से शिकस्त दी।

उमरान मलिक पर कपिल देव का चौकाने वाला बयान- हम इतनी प्रशंसा करते हैं कि...

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच चल रही पांच मैचों की टी-20ई सीरीज के दौरान पूर्व क्रिकेटर कपिल देव का भारतीय तेज गेंदबाज उमरान मलिक को लेकर दिया गया बयान चर्चा में आ गया है। उमरान ने आईपीएल 2022 में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेलते हुए सबको प्रभावित किया था। इसी कारण उन्हें टीम इंडिया स्क्वायड में आने का मौका मिला। उमरान अपने गति के कारण चर्चा में हैं इसी बीच कपिल देव का कहना है कि उमरान को अपने करियर पर फोक्स करना होगा। साथ ही साथ उसे यह भी पता होना चाहिए कि भारत में कई बार किसी एक क्रिकेटर की इतनी प्रशंसा की जाती है कि वह एक साल बाद गायब ही हो जाता है।

उमरान ने आईपीएल 2022 में 156.9 किलोमीटर प्रति घंटे (97.5 मील प्रति घंटे) की रफ्तार से दौड़ लगाई, जो टूर्नामेंट की दूसरी सबसे तेज डिलीवरी थी। बहरहाल, कपिल ने उमरान पर कहा- मैं उसके चयन से बहुत खुश हूं। लेकिन यह बहुत जल्दी है ... आपको उसे इस स्तर पर कम से कम दो-तीन साल देने होंगे। हम एक खिलाड़ी की खूब प्रशंसा करते हैं फिर वह 1 साल बाद गायब हो जाता है। कपिल बोले- मैं चाहता हूं कि उमरान खुद को एक अच्छे माहौल में रखे और उसी गति से कड़ी मेहनत जारी रखे। उसकी क्षमता को देखकर, मुझे नहीं लगता कि उसके पास किसी चीज की कमी है। उसे मानसिकता विकसित करने की जरूरत है। वह अच्छे गेंदबाजों से सलाह लें और गेंदबाजी के फुटेज देखें।

कपिल ने कहा कि वह तेज गेंदबाजी करता है और विकेट भी लेता है। हमने ऐसे खिलाड़ी देखे हैं जो तेज गेंदबाजी कर सकते हैं लेकिन विकेट नहीं ले सकते। इस युवा ने दोनों काम किए हैं। शायद इसी कारण उन्हें टीम इंडिया से कॉल भी आ गई। लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर छाने के लिए अभी खुद को दो-तीन साल देने होंगे। कपिल बोले- अगर आप 150 से अधिक की स्पीड से गेंदबाजी करते हैं तो आपकी इकोनमी 9 नहीं 6 से 7 के आसपास होनी चाहिए। उसे इसमें सुधार करना होगा। वह यॉर्कर आजमाएं और बल्लेबाज की मानसिकता को समझें। बेहतर होगा वह गुणवत्ता वाले बल्लेबाजों के खिलाफ गेंदबाजी करे।

बता दें कि उमरान को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी-20 मैच में मौका नहीं दिया गया था। इस पर टीम इंडिया के कोच राहुल द्रविड़ ने कहा था कि हमें सिर्फ यह देखना है कि हम उसे कितना समय दे पाएंगे। हमारे पास एक बड़ी टीम है, सभी को अंतिम एकादश में रखना संभव नहीं है। द्रविड़ ने कहा था कि वह निश्चित रूप से तेज गेंदबाजी करता है। वह जितना अधिक खेलता है उतना ही अच्छा होता है। उसे मिश्रण में पाकर बहुत खुश हूं।

मोहम्मद सालाह और सैम केर वर्ष के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर चुने गए

लंदन (एजेंसी)।

लिवरपूल के फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह को इंग्लैंड में उनके साथी पेशेवर फुटबॉलरों ने दूसरी बार वर्ष का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना, जबकि महिला वर्ग में चेल्सी की स्ट्राइकर सैम केर को यह सम्मान मिला। सालाह पेशेवर फुटबॉलर्स संघ का यह पुरस्कार एक से अधिक बार जीतने वाले सातवें खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने इस सत्र में प्रीमियर लीग में 23 गोल किये और 14 गोल करने में मदद की। सालाह ने कहा, 'मेरे पास ट्राफियों के लिये एक कमरा है और मैंने सुनिश्चित किया कि मेरे पास एक और जगह होनी चाहिए। मैं हमेशा जगह बनाकर रखता हूं और कल्पना करता हूं कि ट्राफियां आने वाली हैं।% केर ने महिला लीग में सर्वाधिक 20 गोल करके चेल्सी को खिताब दिलाने में मदद की।

रणजी ट्रॉफी: खेल मंत्री मनोज तिवारी ने शतक लगाकर रचा इतिहास, बंगाल सेमीफाइनल में पहुंचा

बेंगलुरू (एजेंसी)।

बंगाल के खेल मंत्री मनोज तिवारी ने शुक्रवार को वह उपलब्धि हासिल की जो रणजी ट्रॉफी में 88 साल में कोई और नहीं कर सका और वह प्रदेश के खेलमंत्री रहते शतक जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। बंगाल ने झारखंड के खिलाफ पहली पारी की विशाल बढत के आधार पर सेमीफाइनल में जगह बना ली। पांचवें दिन का खेल औपचारिकता मात्र था जिसमें तिवारी ने 136 रन बनाए। अपने क्षेत्र से जुड़ी फाइलों पर दस्तखत करने के साथ तिवारी ने मैदान पर बल्लेबाजी के जलवे दिखाते हुए अपनी पारी में 19 चौके और दो छक्के लगाए। शाहबाज अहमद ने 46, अनुस्तूप मजूमदार ने 38 और अभिषेक पोरेल ने 34 रन बनाए। तीनों ने पहली पारी में भी बड़े स्कोर बनाए थे। एकतरफा क्वार्टर फाइनल में बंगाल ने पहली पारी में 7 विकेट पर 773 रन बनाए थे और उसके 9 बल्लेबाजों ने अर्धशतक जड़कर प्रथम श्रेणी क्रिकेट के 250 साल के इतिहास में नया रिकॉर्ड बनाया था। झारखंड के लिए शाहबाज नदीम ने 59 रन देकर पांच विकेट लिए। वहीं पहली पारी में विराट सिंह ने 136 रन बनाए थे। सेमीफाइनल में बंगाल का सामना मध्यप्रदेश से होगा। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में मुंबई की टक्कर उत्तर प्रदेश से होगी।

दोनों मैच 14 जून से खेले जाएंगे।

नॉर्वे शतरंज-आनंद से हुई भारी भूल , ममेद्यारोव से हारे

स्टावंगर, नॉर्वे । नॉर्वे शतरंज के 10वे संस्करण में भारत के 5 बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद नें आठवे राउंड में अजरबैजान के शाखिरयार ममेद्यारोव से अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे आनंद से पेट्रोफ डिफेंस की 22 वीं चाल में अपने वजीर की एक बेहद गलत चाल हुई और उसके बाद उनके राजा की मात तय थी इसीलिए आनंद नें तुरंत हार स्वीकार कर ली । इस हार से आनंद 13 अंको पर ही रह गए और तीसरे स्थान पर सरक गए जबकि 14.5 अंको के साथ ममेद्यारोव दूसरे स्थान पर पहुँच गए है । नीदरलैंड के अनीश गिरि सीधी जीत दर्ज करने वाले दूसरे खिलाड़ी रहे उन्होने नॉर्वे के आर्यन तारी को मात दी जबकि मेगनस कार्लसन नें फ्रांस के मकसीम लागरेव को , अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव नें चीन के वांग हाउ को और यूएसए के वेसली सो नें बुल्गारिया के वेसेलीन टोपालोव को टाईब्रेक में मात दी । अंतिम राउंड के पहले अभी भी विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन 15 अंको के साथ पहले स्थान पर चल रहे है । अंतिम राउंड में आनंद के सामने नॉर्वे के आर्यन तारी होंगे ।

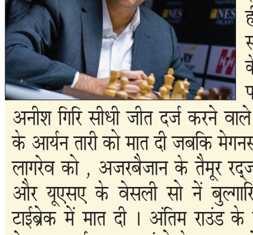

पोंटिंग बोले- पंत का टी20 विश्व कप में ऐसे इस्तेमाल करें, बेहद खतरनाक हो सकते हैं

मुंबई (एजेंसी)।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि ऋषभ पंत आगामी टी20 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की 'तेज और उछाल' भरी पिचों पर 'काफी खतरनाक' साबित होंगे जिसमें प्रत्येक मैच की परिस्थिति के हिसाब से बतौर 'फ्लोटर' (बल्लेबाजी क्रम में किसी भी स्थान पर) उनका सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल किया जा सकता है। पोंटिंग इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी में पंत के साथ काम कर चुके हैं और भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज को काफी ऊंचा आंकते हैं।

पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यू' में कहा, 'वह (पंत) एक शानदार खिलाड़ी है। एक बेहतरीन युवा खिलाड़ी जो टी20 विश्व कप में भारत का काफी खतरनाक क्रिकेटर होगा, विशेषकर ऑस्ट्रेलियाई विकेटों पर जो काफी सपाट, तेज और उछाल भरे हैं। उसके प्रदर्शन पर टूर्नामेंट (विश्व टी20) में सभी की निगाहें लगी होंगी।% पोंटिंग मानते हैं कि पंत का बल्लेबाजी क्रम में स्थान लचीला होना चाहिए जो भारतीय टीम की जरूरत के मुताबिक हो। उन्होंने कहा, 'मेरे विचार से उसे एक 'फ्लोटर' के तौर पर खिलाया जा सकता है। मैं शायद भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप में उसे पांचवें नंबर पर चाहूंगा।' ऑस्ट्रेलिया के लिए 168 टेस्ट खेल चुके पोंटिंग ने कहा, 'लेकिन कुछ निश्चित परिस्थितियों में जहां सात-आठ ओवर बचे हों तो मैं उसे भेजना चाहूंगा और जितना समय बचा हो देना चाहूंगा। वह इतना शानदार और इतना आक्रामक खिलाड़ी है कि मैं उसका इस्तेमाल इसी तरह करना चाहूंगा।' पंत ने 14 आईपीएल मैचों में महज 340 रन बनाये थे जिसमें उनका औसत 30.91 का था।

पोंटिंग के अनुसार पंत आईपीएल में अपने प्रदर्शन से काफी हताश थे। उन्होंने कहा, 'उसके लिए आईपीएल शायद उसका सर्वश्रेष्ठ टूर्नामेंट नहीं था। वह इस साल अपने आईपीएल प्रदर्शन से वास्तव में काफी निराश था क्योंकि वह टूर्नामेंट से पहले काफी अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था जो मैंने पहले नहीं देखी थी।'

हम चुनाव जीतने नहीं बल्कि जनता का विश्वास जीतने निकले हैं : पीएम मोदी

नवसारी। गुजरात के एक दिवसीय दौरे पर नवसारी पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हम चुनाव जीतने नहीं बल्कि जनता का विश्वास जीतने निकले हैं। जनहित में जिन विकास कार्यों के लिए शिलान्यास करते हैं उसका लोकार्पण भी हम करते हैं। दक्षिण गुजरात के नवसारी जिले के चीखली तहसील के खुडवेल में गुजरात गौरव अभियान कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 3000 करोड़ से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इन विकास कार्यों का दक्षिण गुजरात के पांच जिलों के लोगों का लाभ मिलेगा। इस मौके पर विशाल संख्या में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील की जोड़ी वह कर दिखाया जो मैं स्वयं नहीं कर पाया। मुझे इस बात का गर्व है कि गुजरात छोड़ने के बाद जिन लोगों को गुजरात संभालने की जिम्मेदारी ली है वह जोड़ी उमंग और उत्साह के साथ नया आत्मविश्वास जगा रहे हैं। इसी का परिणाम है कि आज मेरे समक्ष 5 लाख से ज्यादा लोगों का विशाल समूह उपस्थित है। उन्होंने कहा कि जनता के प्रति हमारा एक कमिटमेंट हैं। हम राजनीति में सफलता पाने के लिए समय बर्बाद नहीं करते और ना ही चुनाव के लिए कोई अभियान चलाते हैं। हम चुनाव जीतने के लिए नहीं बल्कि जनता का विश्वास जीतने निकले हैं। हमारा लक्ष्य तय है जिन विकास कार्यों की नींव रखते हैं उसका उदघाटन भी हम करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज मुझे 3000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं के उदघाटन और शिलान्यास करने का सौभाग्य मिला है। ये सभी परियोजनाएं सूरत, तापी, नवसारी, वलसाड समेत दक्षिण गुजरात के लाखों लोगों का जीवन सरल बनाएंगी। बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा समेत सभी प्रकार की कनेक्टिविटी की यह परियोजनाएं खासकर आदिवासी इलाकों में इन सुविधाओं को रोजगार के अवसर से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि गुजरात की डबल इंजन की सरकार 100 प्रतिशत सशक्तिकरण के अभियान को मजबूती के साथ चला रही है। इसके लिए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील समेत पूरी टीम का अभिनंदन करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को दिखाया विकास की राजनीति का मार्ग : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुजरात सरकार ने 'जहां नागरिक, वहां सुविधा' का ध्येय साकार किया है। प्रधानमंत्री ने बताया विकास की राजनीति का मार्ग दिखाया है और 'टीम गुजरात' प्रधानमंत्री द्वारा दिखाई गई राह पर चलने को संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल नवसारी जिले की चीखली तहसील के खुडवेल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित 'गुजरात गौरव अभियान' कार्यक्रम में बोल रहे थे। गुजरात गौरव अभियान के दौरान पीएम मोदी ने नवसारी, सूरत, वलसाड, तापी और डांग समेत पांच जिलों में जलापूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं, सड़क एवं भवन, ऊर्जा और शहरी विकास विभाग के कुल 3050 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात को नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार का लाभ मिला है। नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार के प्रयासों के ठोस एवं वास्तविक परिणामों को गुजरात सहित देश की जनता ने पिछले आठ वर्षों के दौरान देखा है। इन 8 वर्षों में गुजरात में 5 लाख से अधिक घरों को नल कनेक्शन, 11 लाख एकड़ क्षेत्र में लिफ्ट इरिगेशन, पाइपलाइन तथा सिंचाई के कार्य तथा 3.30 लाख आदिवासी लाभार्थियों को घरेलू बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात ने प्राकृतिक खेती के क्षेत्र में जो गौरव हासिल किया है, उसे और अधिक ऊंचाइयों पर ले जाना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण के विविध विकास कार्य गुजरात की आत्मनिर्भरता को नई दिशा देंगे।

जलापूर्ति मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि अतीत में जिन क्षेत्रों में पानी पहुंचाना असंभव था, ऐसे दुर्गम क्षेत्रों में राज्य सरकार ने 'नल से जल' योजना के मार्फत घर-घर तक पानी पहुंचाया है। जलापूर्ति इंजीनियरिंग कौशल का अद्भुत नमूना मधुबन डैम आधारित एस्टोल जलापूर्ति योजना इसकी मिसाल है। इतना ही नहीं, आदिवासी क्षेत्रों में आवश्यकता पड़ने पर उद्वहन (लिफ्ट इरिगेशन) के माध्यम से सिंचाई का पानी खेतों तक पहुंचाकर किसानों को वर्ष में तीन फसल लेने की सुविधा प्रदान की है। उन्होंने कहा कि राज्य के दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को भी आसान एवं सुलभ बनाया है।

राजकोट रेल मंडल में उत्साहपूर्वक मनाया गया 'अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह'

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे के राजकोट मंडल में 3 जून से लेकर 9 जून तक 'अंतर्राष्ट्रीय समपार फाटक जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया गया। राजकोट मंडल रेल प्रबंधक अनिल कुमार जैन के मार्गदर्शन में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी एन आर मीना तथा अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा जगह-जगह जागरूकता अभियान चलाया गया।

इस दौरान राजकोट मंडल के रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारियों, पर्यवेक्षकों एवं नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों द्वारा सड़क उपयोगकर्ताओं एवं आम नागरिकों को समपार फाटक पार करने संबंधित संरक्षा नियमों की जानकारी प्रदान की गयी और विभिन्न जगहों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।

सेफ्टी विभाग की टीम द्वारा विभिन्न समपार फाटकों का निरीक्षण कर सड़क उपयोगकर्ताओं को समपार फाटक पार करने के दौरान ऊपरी 25 के.वी विद्युत लाइन से संबंधित बरती जाने वाली सावधानियों तथा उनके उल्लंघन करने पर होने वाली संभावित दुर्घटनाओं के बारे में जागरूक किया गया। अंतर्राष्टीय समपार जागरूकता सप्ताह के दौरान राजकोट मंडल के सभी 252 समपार फाटकों को समाहित करने के लिए संरक्षा विभाग द्वारा अलग-अलग खंडों में 06 अधिकारियों एवं 112 सुपरवायजरों को जागरूकता अभियान हेतु निर्देशित किया गया था।

सभी अधिकारियों एवं सुपरवायजरों द्वारा समपार फाटकों पर 9000 पम्पलेट्स, 150 संरक्षा स्लोगन वाली टोपीयां, 30 पेंसिल तथा 300 शार्पनर वितरित कर लगभग 7500 आम जनता को जागरूक करने का काम किया गया।

गुजरात में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा हेल्थ इंडीकेटर्स निरंतर बेहतर हो रहे हैं : पीएम मोदी

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्रभाई मोदी ने कहा है कि गुजरात में हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर तथा हेल्थ इंडीकेटर्स निरंतर बेहतर हो रहे हैं। नीति आयोग के तीसरे सस्टेनेबल गोल्ड इंडेक्श के अनुसार 'गुड हेल्थ एण्ड वेल बीइंग' में गुजरात देश में प्रथम स्थान पर है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को नवसारी में निराली मेमोरियल मेडिकल ट्रस्ट द्वारा नवनिर्मित 500 बेड वाले निराली मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिल तथा ए. एम. नायक हेल्थकेयर कैम्पस का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति में प्रधानमंत्री ने गणदेवी तहसील के खोरल में 'नायक एजुकेशन एण्ड स्किलिंग सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' का डिजिटली शुभारंभ कराया। उन्होंने निराली मेमोरियल मेडिकल ट्रस्ट (हरबल्ज़) द्वारा निर्मित 8 एकड़ में फैले ए. एम. नायक हेल्थकेयर कैम्पस तथा कैंसर अस्पताल का दौरा कर यहाँ उपलब्ध अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं एवं संसाधनों का निरीक्षण किया। इस अवसर पर लार्सन एण्ड टुब्रो के समूह अध्यक्ष तथा एनएमएमटी के संस्थापक पद्मविभूषण ए. एम. नायक ने प्रधानमंत्री को हेल्थकेयर कैम्पस की भूमिका तथा कामकाज से अवगत कराया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सामाजिक दायित्व के अंतर्गत समाज के श्रेष्ठियों द्वारा अंतिम छोर के लोगों के लिए प्रज्ज्वलित सेवायज्ञ की सराहना करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार ने होलिस्टिक अप्रोच के साथ आम आदमी; विशेषकर माताओं-बच्चों को उत्तम पोषण मुहैया कराने, स्वस्थ जीवनशैली तथा प्रिवेंटिव हेल्थ के साथ सुदृढ़ हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर का लाभ मुहैया कराने के उद्देश्य से अनेकविद् स्वास्थ्य योजनाएँ क्रियान्वित की हैं। आयुष्मान भारत योजना को इसका उत्तम उदाहरण बतात हुए पीएम मोदी ने कहा कि गुजरात के 40 लाख ज़रूरतमंद लोगों ने इस योजना के तहत लाभ प्राप्त किया है, जिससे उन्होंने 7000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि की बचत की है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात में 'मा अमृतम्-वात्सल्य' योजना ने अनेक परिवारों को स्वास्थ्य गरिमा प्रदान की है। यह योजना 'आयुष्मान भारत योजना' राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक बनाने के लिए प्रेरणास्त्रोत बनी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गुजरात ने पिछले 20 वर्षों में स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मुक़ाम हासिल किए हैं। इसके चलते आज गुजरात में गाँवों में स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्रों में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ नागरिकों को मिलने लगी हैं। शहरों में भी 600 से अधिक पंडित दीनदयाल उपाध्याय औषधालयों का लाभ नागरिक प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पताल आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ देने में अग्रसर बने हैं। उन्होंने कहा कि अहमदाबाद, भावनगर, सूरत, वडोदरा में कैंसर के आधुनिक उपचार के साथ स्वास्थ्य सुविधाएँ मिलने लगी हैं जो ग़रीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों को

असह्य आर्थिक बोझ से बचाती हैं। मोदी ने गुजरात के सुदृढ़ स्वास्थ्य ढाँचे की सराहना करते हुए इस संदर्भ में कहा कि पिछले 20 वर्षों में मेडिकल व पैरामेडिकल के अध्ययन व प्रशिक्षण की सुविधाएँ बहुत बढ़ी हैं, जिसके फलस्वरूप गुजरात में आज 30 से अधिक मेडिकल कॉलेज कार्यरत् हैं। प्रधानमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि गुजरात में चिरंजीवी योजना के अंतर्गत जनभागीदारी सुनिश्चित कर इंस्टीट्यूशनल डीलीवरी को अधिक व्यापक बनाया गया है।

पूर्व सांसद के ड्राइवर की गुंडई, रोडवेज की बस के चालक के साथ की मारपीट

पंचमहल। जिले के कालोल में अलीन्द्रा चौराहे के निकट सरेआम मारपीट की एक घटना सामने आई है। जिसमें पूर्व सांसद गोपालसिंह सोलंकी की कार ड्राइवर ने सरकारी बस के चालक को पहले कैबिन में घुसकर पीटा और बाद में कैबिन से घसीटकर नीचे उतारकर उसके साथ मारपीट की। बस में सवार किसी यात्री ने घटना का वीडियो शूट कर लिया। घटना के बाद रोडवेज के कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया है। घटना के बाद पूर्व सांसद गोपालसिंह सोलंकी ने कहा कि मैं अपने ड्राइवर के साथ कार में जा रहा था। उस वक्त रोडवेज के बस चालक ने अचानक ब्रैक मार दी। जिससे ड्राइवर ने दांई ओर से कार निकालने का प्रयास किया। लेकिन बस के ड्राइवर ने भी जानबूझ कर दांई बस ले जाने का प्रयास किया, जिससे बस और कार के बीच टक्कर हो गई। हांलाकि इस घटना में किसी को कोई चोट नहीं आई। गोपालसिंह ने बताया कि उनकी कार को दो-ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है। पूर्व सांसद ने कहा कि रोडवेज के बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने मेरी कार के ड्राइवर के साथ मारपीट की है। हांलाकि इसके लिए वह घटना को लेकर रोडवेज के बस चालक के खिलाफ कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाएंगे। हमने कानून हाथ में नहीं लिया है और अगर दूसरा पक्ष रिपोर्ट दर्ज करवाता है तो उस पर हम बाद में फैसला करेंगे। बता दें कि वायरल हुए वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि पूर्व सांसद गोपालसिंह सोलंकी का ड्राइवर रोडवेज की बस के कैबिन में घुसकर उसके चालक से मारपीट कर रहा है। इतना नहीं उसे कैबिन से खींचकर बाहर निकाल कर भी उस पर हाथ साफ कर रहा है।

पीएम मोदी गुजरात के पांच आदिवासी बहुल जिलों को दी 3050 करोड़ के विकास कार्यों की भेंट

अहमदाबाद । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज एक कार्यक्रम 'गुजरात गौरव अभियान' में भाग लिया। उन्होंने नवसारी के एक जनजातीय क्षेत्र खुडवेल में 'गुजरात गौरव अभियान' के दौरान कई विकास कार्यों का उद्घाटन और आधारशिला रखी। इसमें 7 परियोजनाओं का उद्घाटन, 12 परियोजनाओं का शिलान्यास और 14 परियोजनाओं का भूमि पूजन शामिल है। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में पानी की आपूर्ति में सुधार के साथ-साथ सम्पर्क (कनेक्टिविटी) को बढ़ावा देने तथा जीवन में आसानी बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र रजनीकांत पटेल, केंद्रीय और राज्य मंत्री तथा जनप्रतिनिधि भी उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए, प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर जनजातीय आबादी की विशालता का उल्लेख किया। उन्होंने गर्व के साथ कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन आदिवासी भाइयों और बहनों के निरंतर स्नेह को दर्शाता है। उन्होंने जनजातीय क्षमता और दृढ़ संकल्प की महिमा को स्वीकार करते हुए नवसारी की भूमि को नमन किया। पिछले दो दशकों में तेजी से हुए समावेशी विकास और इस विकास से पैदा हुई एक नई आकांक्षा गुजरात का गौरव है। डबल इंजन की सरकार इस गौरवशाली परंपरा को ईमानदारी से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि आज की परियोजनाओं से दक्षिण गुजरात के सूरत, नवसारी, वलसाड और तापी जिलों में जीवन आसान होगा।

प्रधानमंत्री ने याद किया कि कैसे 8 साल पहले गुजरात के लोगों ने उन्हें दिल्ली भेजा था। उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों में सरकार लोगों और कई नए क्षेत्रों को विकास प्रक्रिया और आकांक्षाओं से जोड़ने में सफल रही है। उन्होंने याद किया कि कैसे एक समय था जब गरीब, वंचित, दलित, आदिवासी, महिलाएं और अन्य कमजोर वर्ग अपना पूरा जीवन सिर्फ बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में लगा देते थे। पहले की सरकारों ने विकास को प्राथमिकता नहीं दी थी। अधिकांश जरूरतमंद वर्ग और क्षेत्र सुविधाओं से वंचित थे। उन्होंने कहा कि पिछले 8 वर्षों में सबका साथ, सबका विकास के मंत्र का पालन करते हुए उनकी सरकार ने गरीबों के कल्याण और गरीबों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने पर अत्यधिक जोर दिया हैङ्घ अपनी बात को जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि अब सरकार ने कल्याणकारी योजनाओं की संतृप्ति के माध्यम से गरीबों के 100 प्रतिशत सशक्तिकरण के कार्यक्रम को शुरू किया है। प्रधानमंत्री ने मुख्य मंच पर पहुंचने से पहले जनजातीय समुदायों के लाभार्थियों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि जनता और लाभार्थियों से संपर्क विकास के समर्थन को नई गति प्रदान करता है। गुजराती में अपने सम्बोधन में प्रधानमंत्री ने स्थानीय लोगों के साथ अपने लंबे जुड़ाव को भी याद किया। उन्होंने उस समय के दौरान लोगों के आतिथ्य और स्नेह को याद किया जब वे इस क्षेत्र में काम कर रहे थे। भावुक होते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि "आपका स्नेह और आशीर्वाद ही मेरी ताकत हैङ्ग। उन्होंने कहा कि आदिवासी समुदायों के बच्चों को हर संभव अवसर मिले एवं इसके साथ ही उनके स्वच्छता, ज्ञान, संगठन और अनुशासन के गुणों

का उल्लेख किया। उन्होंने जनजातीय लोगों के बीच सामुदायिक जीवन और पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों की भी बात की। उन्होंने आदिवासी क्षेत्रों में पानी सुनिश्चित करने के अपने काम की भी बात की। उन्होंने कहा कि आज की तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं पहले के उन दिनों की तुलना में बिल्कुल विपरीत हैं, जब पानी की टंकी के उद्घाटन जैसी छोटी बात भी सुर्खियों में रहती थी।

रूबिक्स डेटा साइंसेज को भारत में लीगल एंटिटी आईडेंटीफायर का सत्यापन एजेंट नियुक्त किया गया

रूबिक्स डेटा साइंसेज (रूबिक्स) एक प्रौद्योगिकी और अनालिटिक्स-आधारित बी2बी जोखिम प्रबंधन और निगरानी प्लैटफॉर्म है जिसे भारत में लीगल एंटिटी आइडेंटिफायर इंडिया लिमिटेड (एलईआईएल) का सत्यापन एजेंट (वेलिडेशन एजेंट) नियुक्त किया गया है। रूबिक्स और लीगल एंटिटी आइडेंटिफ़ायर लिमिटेड (एलईआईएल) के बीच इस आशय के एक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए। इसे वैधानिक इकाई अभिज्ञापक यानी लीगल एंटिटी आइडेंटिफायर (एलईआई) के निर्गम और प्रबंधन के लिए ग्लोबल लीगल एनिटी आइडेंटिफायर फाउंडेशन (जीएलईआईएफ) द्वारा स्थानीय परिचालन इकाई (लोकल ऑपरेटिंग यूनिट) के रूप में प्रत्यायित (अक्रेडिटेड) किया गया है। जीएलईआईएफ का मुख्यालय स्विट्जरलैंड में है। एलईआईएल क्लीयरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी है।

एलईआई 20 कैरेक्टर का एक अल्फ़ान्यूमेरिक कोड है जो किसी कानूनी इकाई (लीगल एंटिटी) या संरचना की पहचान करता है। किसी भी क्षेत्राधिकार में वित्तीय लेन-देन के लिए इसकी आवश्यकता होती है। एलईआई प्रमुख संदर्भ जानकारी से जुड़ता है जो वित्तीय लेनदेन में भाग लेने वाली कानूनी संस्थाओं की स्पष्ट और विशिष्ट पहचान को सक्षम बनाता है। प्रत्येक एलईआई के पास किसी भी इकाई की स्वामित्व संरचना के बारे में जानकारी होती है और इस प्रकार ऱ्कौन, कौन हैज् और ऱ्कौन किसका मालिक हैज् जैसे सवालों का समाधान करता है। एलईआई डाटा पूल को ग्लोबल एलईआई इंडेक्स के रूप में जाना जाता है। यह जीएलईआईएफ की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है और इसे वैश्विक निर्देशिका के रूप में माना जा सकता है जो वैश्विक बाजार में पारदर्शिता को बढ़ाता है।

एलईआई व्यवसायों, वित्तीय संस्थानों और संगठनों के बीच विश्वास बनाने में मदद करता है, भले ही वे किसी भी व्यावसायिक क्षेत्र के हों, क्योंकि यह एक आवश्यक पहचानकर्ता के रूप में काम करता है जो सीमापार से और घरेलू लेनदेन संभव करता है। छोटे और मध्यम आकार के उद्यम (एसएमई) जो एलईआई प्राप्त करते हैं बाजार में अपने साथियों के बीच अगल पहचाने जा सकते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) सहित विभिन्न नियामक चाहते हैं कि कतिपय लेन-देन से पहले ग्राहक एलईआई पता करे।

फ्लिपकार्ट, फोनपे, मिंत्रा और क्लीट्रयरट्रिप पर सुपरकॉयन्सढ की लोकप्रियता बढ़ी, विकास का नया दौर

बेंगलुरु । भारत के स्वरदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट के रिवार्ड प्रोग्राम सुपरकॉयन ने पिछले एक साल के दौरान शानदार बढ़त दर्ज करायी है। यह मल्टी-ब्रैंड रिवार्ड इकोसिस्टदम ग्राहकों को फ्लिपकार्ट, मिंत्रा, क्लीयरट्रिप और फोनपे पर हर खरीदारी के बदले पुरस्कृत करता है और बदले में उन्हें कॉयन्सर रिडीम करने की सुविधा मिलती है। इन सुपरकॉयन्सृ की लोकप्रियता का अंदाज़ा इसी बात से लगाया जा सकता है कि फिलहाल हर साल करीब 1.5 अरब सुपरकॉयन्सा जारी किए जा रहे हैं।

फ्लिपकार्ट के प्लेहटफार्म पर किसी भी प्रतिभागी विक्रेता से खरीदारी के दौरान इन सुपरकॉयन्स को रिडीम किया जा सकता है। इसके अलावा, मिंत्रा से नवीनतम फैशन स्टाकइल्सक की खरीदारी, क्लीतयरट्रिप पर ट्रैवल बुकिंग्स् या फोनपे के जरिए हजारों चुनींदा कारोबारियों को भुगतान के बदले भी पुरस्काररस्व रूप ये सुपरकॉयन्सप हासिल किए जा सकते हैं। वर्तमान में करीब 58त्रसुपरकॉयन्स ग्राहक देशभर में टी2 और टी3 क्षेत्रों से हैं, जो इन लॉयल्टीर रिवार्ड्स को अधिकांश भारतीय आबादी के लिए सुलभ बनाने की फ्लिपकार्ट की मंशा के अनुरूप है। इनमें से 50त्ररिवार्ड्स आमतौर से घरेलू उत्पानदों, ग्रूमिंग एक्सेमसरीज़, पुरुषों के वस्त्रोंा, फूड एवं न्यूपट्रिशन, मेकअप तथा फ्रेशरेंस, हेल्थिकेयर, बेबी केयर, फैशन वियरेबल्सर और विमेन्सन वेस्ट्र्नवियर जैसी उत्पा्द श्रेणियों की खरीदारी के दौरान हासिल किए जाते हैं।

फ्लिपकार्ट ने ग्राहकों को पुरस्कृेत करने और उनके खरीदारी के अनुभवों को बेहतर बनाने के इरादे से इस प्रोग्राम को और मजबूत बनाया है जिसके चलते इससे जुड़े रिटेल आउटलेट्स पर भी अब ग्राहक अपने रिवार्ड्स को रिडीम करवा सकते हैं। फ्लिपकार्ट का यह अद्भुत रिवार्ड इकोसिस्टपम देशभर के लाखों खरीदारों के लिए पैसों का बेहतर मूल्यन उपलब्धभ कराने के मकसद से तैयार किया गया है।

सुपरकॉयन प्रोग्राम की लोकप्रियता में हुई बढ़ोतरी और इसके विस्तासर के बारे में चिराग वोरा, सीनियर डायरेक्टार, लॉयल्टीं प्रोग्राम, फ्लिपकार्ट ने कहा, "फ्लिपकार्ट में हम हमेशा से ही ई-कॉमर्स को समावेशी तथा सभी के लिए सुलभ बनाने पर ज़ोर देते आए हैं। हमारे सुपरकॉयन्सक प्रोग्राम को भी ग्राहकों के साथ रिश्तों को और मजबूत बनाने, हर बार उनके खरीदारी अनुभवों को बेहतर बनाने तथा अधिक मोल प्रदान करने के इरादे से तैयार किया गया है।"

श्रीनिवासन सुब्रमणि, डायरेक्टतर – लॉयल्टीद, मिंत्रा ने कहा, "सुपरकॉयन हमारे निष्ठोवान ग्राहकों, 'मिंत्रा इंसाइडर्स'को अपने लॉयल्टी् कॉयन्स को समूचे फ्लिपकार्ट इकोसिस्टैम पर रिडीम करने की सुविधा देता है। इस तरह, वे मिंत्रा रिवार्ड स्टोदर पर 50+नए रिवार्ड्स के अलावा, विभिन्नत श्रेणियों में उपलब्धत व्या पक विकल्पों में से भी मनमुताबिक रिडीम करने की आजादी देता है। हमने सुपरकॉयन्सं की पेशकश के बाद से रिडीम कराने की प्रक्रियाओं में बढ़ोतरी दर्ज की है।"

इस बारे में, दीप अग्रवाल, हैड ऑफ पेमेंट्स, फोनपे का कहना है, "हम फोनपे प्लेज्टफार्म पर सुपरकॉयन्से को रिडीम कराने की इस पहल के लिए फ्लिपकार्ट के साथ भागीदारी करते हुए रोमांचित हैं। इससे लाखों फोनपे यूज़र्स को हमारे वर्भिन्नर मर्चेंट लोकेशंस पर अपने सुपरकॉयन्सह को रिडीम कराने की सुविधा मिलेगी, जिसके परिणामस्व रूप, सुपरकॉयन्सय के इस्तेमाल में बढ़ोतरी होगी।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)